

निआवाधीसन

यहूदा क लोग क कनानियन स जुद्ध करत ही

1 यहोसू मर गवा। तब इस्राएल क लोग यहोवा स पराथना किहेन। उ पचे कहेन, “हमरे परिवार समूह में स कउन पहिले कनानी लोगन स हम लोगन क बेर जुद्ध लड़इ बरे जाइ?”

2 यहोवा इस्राएली लोगन स कहेस, “यहूदा क परिवार समूह पहिले जाइ। मई ओनका इ भुईया क प्राप्त करइ देइ।”

3 यहूदा क लोग सिमोन परिवार समूह क आपन भाइयन स मदद माँगिस। यहूदा क लोग कहेन, “भाइयो, जदि तू पचे हम लोगन क भुईया बरे जुद्ध करइ मैं मदद करइ बरे हमरे संग अउब्या तउ हम लोग भी तू पचन्क क भुईया बरे तू पचन्क जुद्ध लड़ब।” सिमोन क लोग ओनकर संग जाइ बरे तइयार होइ गएन।

4 यहोवा यहूदा क लोगन क कनानियन अउ परिज्जी लोगन क हरावइ मैं मदद किहेस। यहूदा क लोग बेजेक नगर मैं दस हजार मनइयन क मार डाएन। 5 बेजेक नगर मैं यहूदा क लोग बेजेक क सासक अदोनीबेजेक क पाएस अउर ओहसे जुद्ध किहेन। यहूदा क लोग कनानियन अउ परिज्जी लोगन क हराएन।

6 बेजेक क सासक अदोनीबेजेक भाग पराइ क जतन किहेन। किन्तु यहूदा क लोग ओकर पाछा किहेन अउर ओका धड़ लिहेन। जब उ पचे ओका धरेन तब उ पचे ओकर हाथ अउर गोड़ क अंगूठन क काट डाएन। 7 तब बेजेक क सासक अदोनीबेजेक कहेस, “मई सत्तर राजा लोगन क हाथ अउर गोड़ क अंगूठन काटेउँ अउर ओन राजा लोगन क भोजन क उहइ टूकन खाइ क पड़ा जउन मोरी मेजे मैं स गिरा भवा रहा। अब यहोवा मोका ओकर बदला दिहेस ह जउन मई ओन राजा लोगन क संग किहे रहा।” यहूदा क लोग बेजेक क सासक क यरूसलेम लड़ गएन अउर उ हुवँइ मरा।

8 यहूदा क लोग यरूसलेम क खिलाफ लड़ने अउर ओह पड़ कब्जा कइ लिहेन। यहूदा को लोग यरूसलेम क लोगन क मारइ बरे तरवार क उपयोग किहन। तब उ पचे नगर क जलाइ दिहन। 9 ओकरे पाछे यहूदा क लोग कछू दूसर कनानी लोगन स जुद्ध करइ बरे गएन। तब उ पचे कनानी पहाड़ी प्रदेशन, नेगेव अउ समुद्र क किनारे क पहाड़ियन मैं रहत रहेन। 10 तब यहूदा क लोग ओन कनानी लोगन क खिलाफ लड़इ गएन जउन हेब्रोन नगर मैं रहत रहेन। पूर्वकाल मैं हेब्रोन क किर्यत-अरब कहा जाता रहा यहूदा क लोग सेसै, अहीमन अउ तल्मै कहा जाइवाले लोगन क हराएन।

कालेब अउ ओकर बिटिया

11 यहूदा क लोग उ जगहिया क तजेन। उ पचे दबीर नगर, हुवाँ क लोगन क खिलाफ जुद्ध करइ गएन। (पूर्वकाल मैं दबीर क किर्यत्सेपेर कहा जात रहा।

12 यहूदा क लोगन क जुद्ध बरे खाना होइ स पहिले कालेब ओन लोगन स एक ठु प्रतिग्या किहेस, “मई आपन बिटिया अकसा क उ मनई क पत्नी क रूप मैं देब जउन किर्यत्सेपेर नगर पड़ हमला करत ह अउर ओह पड़ कब्जा करत ह।”

13 कालेब क एक लहुरा भाई रहा जेकर नाउँ कनज रहा। कनज क एक पूत ओत्नीएल नाउँ क रहा। ओत्नीएल किर्यत्सेपेर नगर क जीत लिहेस। एह बेर कालेब आपन बिटिया अकसा क पत्नी क रूप मैं ओत्नीएल क दिहेस।

14 जब अकसा ओत्नीएल क संग रहइ बरे गएस, तब ओत्नीएल ओहसे कहेस कि उ आपन पिता स कछू भुईया माँगइ। अकसा आपन बाप क लगे गइ। एह बेर उ आपन गदहा स उतरी अउर कालेब स पूछेस, “का कठिनाई अहइ?”

15 अकसा कालेब क उत्तर दिहेस, “मुझे आसीर्बाद दे। आप मोका नेगेव क झुरान रेगिस्तान दिहेन ह। कृपा कइके मोका कछू पानी क सोतावली भुईया देई।” एह बेर कालेब ओका उ दिहेस जउन उ चाहत रही। उ ओका उ भुईया क ऊपर अउ नीचे क पानी क सोता दइ दिहेस।

16 केनी लोग ताड़बृच्छन क नगर (यरीहो) क तजेन अउर यहूदा क लोगन क संग गएन। उ सबइ लोग यहूदा क रेगिस्तान मैं हुवाँ क लोगन क संग रहइ गएन। इ नेगेव मैं अराद नगर क लगे रहा। (केनी लोग मूसा क ससुर क परिवार स रहेन)

17 कछू कनानी लोग सपत नगर मैं रहत रहेन। एह बेर यहूदा क लोग अउ सिमोन क परिवार समूह क लोग ओन कनानी लोगन पड़ हमला किहेस। उ पचे नगर क पूरी तरह नस्ट कइ दिहेन। एह बेर उ पचे नगर क नाउँ होर्मा रखेन।

18 यहूदा क लोग अजा क नगर अउ ओकर चारिहुँ कइँती क इलाका पड़ अधिकार किहन। यहूदा क लोग असकलोन अउ एकोन नगरन अउ ओकरे चारिहुँ कइँती क इलाका पड़ भी कब्जा किहन।

19 यहोवा उ समइ यहूदा क लोगन क संग रहा, जब उ पचे जुद्ध करत रहेन। उ पचे पहाड़ी प्रदेश क भुईया पड़ कब्जा किहन। किन्तु उ पचे घाटियन क भुईया लेइ मैं नाकामयाब रहेन काहेकि हुवाँ क निवासियन क लगे लोहे क रथ रहेन।

20मूसा कालेब क हेब्रोन क लगे क भुईया देइ क बचन दिहे रहा। एह बरे उ भुईया कालेब क परिवार क दइ दीन्ह गइ। कालेब क लोग अनाक क तीनहुँ पूतन क उ जगह तजइ क मजबूर किहन।

बिन्यामीन लोग यरूसलेम में बसत हीं

21बिन्यामीन परिवार समूह क लोग यबूसी लोगन क यरूसलेम तजइ क मजबूर न कइ सकेन। उ समइ स लइके अब तलक यबूसी लोग यरूसलेम में बिन्यामीन लोगन क संग रहत आएन ह।

यूसुफ क लोग बेतेल पइ कब्जा जमावत हीं

22यूसुफ क परिवार समूह क लोग भी बेतेल नगर क खिलाफ लइइ बरे गएन। यहोवा ओन लोगन क संग रहा। 23यूसुफ क परिवार क लोग कछू जासूसन क बेतेल नगर पठएन। पूर्वकाल में बेतेल क लूज कहा जात रहा। 24जब उ पचे बेतेल नगर क लखत रहेन उ पचे एक ठु मनई क नगर स बाहेर आवत लखेन। जासूस लोगन ओहसे कहेन, “हम लोगन क नगर में जाइ क गुप्त मारग बतावा। हम लोग नगर पइ हमला करब। किन्तु जदि तू हमार मदद करब्या तउ हम तोहका चोट नहीं पहुँचाउब।”

25उ मनई जासूसन क नगर में जाइ क गुप्त मारग बताएस। यूसुफ क लोग बेतेल क लोगन क मारइ बरे आपन तरवार क उपयोग किहन। उ पचे उ मनई ओकरे परिवार क सुरच्छित जाइ दिहेन। 26उ मनई उ प्रदेस में गवा जहाँ हिती लोग रहत रहेन। हुआँ उ एक ठु नगर बसाएस। उ उ नगर क नाउँ लूज रखेस, जेका आजु तलक उहइ नाउँ अहइ।

दूसर परिवार समूह कनानियन स जुद्ध करत हीं

27कनानी लोग बेतसान, तानाक, दोर, थिबलाम, मगिदो अउर ओनकर चारिहुँ कइँती क नान्ह नान्ह नगर में रहत रहेन। मनस्से क परिवार समूह क लोग ओन लोगन क ओन नगरन क तजइ बरे मजबूर नहीं कइ सके रहेन। एह बरे कनानी लोग हुवाँ टिके रहेन। 28पाछे इस्राएल क लोग जियादा ताकतवर भएन अउर कनानी लोगन क दासन क तरह अपने खातिर काम करइ बरे मजबूर किहन। किन्तु इस्राएल क लोग सबहिं कनानी लोगन स ओनकर प्रदेस नहीं छुड़वाइ सकेन। 29इहइ बात एप्रैम क परिवार समूह क संग भइ। कनानी लोग गोजेर में रहत रहेन अउर एप्रैम क लोग सबहिं कनानी लोगन स ओनकर देस नहीं छुड़वाइ सकेन। एह बरे कनानी लोग एप्रैम क लोगन क संग गोजेर में रहत चले गएन।

30जबूलन क परिवार समूह क संग इहइ बात भइ। कित्रोन अउर नहलोल नगरन में कछू कनानी रहत रहेन। जबूलन लोग ओन लोगन स ओकर देस नहीं छुड़वाइ सकेन। उ सबइ कनानी लोग टिके रहेन अउर जबूलन लोगन क संग रहत चले आएन। किन्तु जबूलन क लोग ओन लोगन क दासन क तरह काम करइ क मजबूर किहन।

31आसेर क परिवार समूह क संग भी इहइ बात भइ। आसेर क लोग ओन लोगन स अक्को, सीदोन, अहलाब, अकजीब, हेलबा, अपीक अउर रहोब नगरन क न छोड़वाइ सकेन। 32आसेर क लोग कनानी लोगन स आपन देस न छोड़वाइ सकेन। एह बरे कनानी लोग आसेर क लोगन क संग रहत चले गएन।

33नप्ताली क परिवार समूह क संग भी इहइ बात भइ। नप्ताली परिवार क लोग ओन लोगन स बेतसेमेस अउर बेतनात नगरन क न छुड़वाइ सकेन। एह बरे नप्ताली क लोग ओन नगरन में ओन लोगन क संग रहत चले आएन। उ सबइ कनानी लोग टिके रहेन अउर नप्ताली लोगन बरे दासन क तरह काम करइ क मजबूर किहन।

34एमोरी लोग दान क परिवार समूह क लोगन क पहाड़ी प्रदेस में रहइ बरे मजबूर कइ दिहेन। दान क लोगन क पहाड़ियन में ठहरब पड़ा काहेकि एमोरी लोग ओनका घाटियन में उतरइ अउर ठहरइ नहीं देत रहेन। 35एमोरी लोग हेरेस पहाड़ी, अय्यालोन अउर सालबीम में ठहरइ क निहचइ किहेन। पाछे, यूसुफ क परिवार समूह सक्तीसाली होइ गवा। तब उ पचे एमोरी लोगन स दासन क तरह काम करवाएस। 36एमोरी लोगन क प्रदेस बिच्छु दर स सेला अउर सलो क परे पहाड़ी प्रदेस तलक रहा।

बोकीम में यहोवा क सरगदूत

2 यहोवा क सरगदूत गिलगाल नगर स बोकीम नगर क गवा। सरगदूत यहोवा क एक ठु सँदेसा इस्राएल क लोगन क दिहस। सँदेसा इ रहा: “तू पचे मिस्त्र में दास रहया। किन्तु मई तू पचन्क अजाद किहेउँ अउर मई तू पचन्क मिस्त्र स बाहेर लिआएउँ। मई तू पचन्क इ भुईया में लाएउँ जेहसे तोहरे पचन्क पुरखन क देइ बरे मई प्रतिग्या किहे रहेउँ। मई कहेउँ, मई तू पचन्स आपन वाचा कबहुँ नहीं तोड़ेब। 2किन्तु एकरे बदले में तू पचन्क इ भुईया क निवासियन क संग कोइ समझौता नहीं करइ क होइ। तोहका ओनकर वेदीयन नस्ट करइ चाही। इ मई तू पचन्स कहेउँ किन्तु तू लोग मोर आग्या नहीं मान्या। तू अइसा काहे किहेन?

3“अब मई तू पचन्स इ कहत हउँ, ‘मई इ भुईया स अब अउर लोगन क बाहेर नहीं हटाउब। इ सबइ लोग तोहरे लोगन बरे फँदा साबित होइ। ओनकर झूठे देवता लोग तू पचन्क फँसावइ बरे जाल बनिहीं।’”

4यहोवा क सरगदूत इस्राएल क लोगन क जब यहोवा क सँदेसा दइ चुका, तब लोग जोर स रोइ पड़ेन। 5एह बरे इस्राएल क लोग उ ठउरे क बोकीम नाउँ दिहेन जहाँ उ पचे रोइ पड़े रहेन। बोकीम में इस्राएल क लोग यहोवा बरे बलि दिहेन।

आग्या क उल्लंघन अउर पराजय

6तब यहोसू लोगन स कहेस कि उ पचे आपन घसन क लउटि जाइँ। एह बरे हर एक परिवार समूह आपन भुईया क छेत्र लेइ गवा अउर ओहमाँ रहइ। 7इस्राएल क लोग तब तलक यहोवा क सेवा किहन जब तलक यहोसू जिअत रहा।

ओन बुजुर्गन क जीवन काल में भी उ पचे यहोवा क सेवा करत रहेन जउन यहोसू क बाद भी जिअत रहेन। एन बुजुर्ग लोग इस्त्राएल क लोग बरे जउन यहोवा बरे महान कारज किहे रहा, ओनका लखे रहा। 8नून क पूत यहोसू, जउन यहोवा क सेवक रहा, एक सौ दस बरिस क उमर में मरा। 9एह बरे इस्त्राएल क लोग यहोसू क मृत सरिर क उ भूइयाँ में दफनावा गवा, जउन ओका दीन्ह गवा रहा। उ भूइयाँ तिन्मथ हेरेस में रही जउन एप्रैम क पहाड़ी छेत्र में गास पहाड़े क उत्तर में रही।

10एकरे पाछे उ पूरी पीढ़ी मर गइ अउर नई पीढ़ी पइदा भइ। इ नवी पीढ़ी यहोवा क बारे में न तउ जानत रही अउ न ही ओका, यहोवा इस्त्राएल क लोगन क बरे का कीन्ह रहा, एकर गियान रहा। 11एह बरे इस्त्राएल क लोग पाप किहेन अउ बाल क मूर्तियन क सेवा किहेन। उ पचे उहइ पाप किहेन जउन यहोवा क दृस्टि में बुरा रहा। 12यहोवा इस्त्राएल क लोगन क मिस्र स बाहेर लिआए रहा। ओन लोगन क पुरखन यहोवा क उपासना किहे रहेन। किन्तु इस्त्राएल क लोग यहोवा क अनुसरण करब तज दिहेन। इस्त्राएल क लोग ओन लोगन क लबार देवतान क पूजा करब सुरू किहेन, जउन ओनके चारिहूँ कइँती रहत रहेन। इ करम यहोवा क गुस्सैल कइ दिहेस। 13इस्त्राएल क लोग यहोवा क अनुसरण करब तजि दिहेन अउर बाल अउ अस्तोरेत क पूजा कइ लगने।

14यहोवा इस्त्राएल क लोगन पइ बहोत कोहाइ गवा। एह बरे यहोवा दुस्मनन क इस्त्राएल क लोगन पइ हमला कइ दिहस। अउ ओनकर धन-दौलत लेइ दिहस। ओनके चारिहूँ कइँती रहइवाले दुस्मनन क यहोवा ओनका पराजित कइ दिहस। इस्त्राएल क लोग आपन रच्छा आपन दुस्मनन स नहीं कइ सकेन। 15जब इस्त्राएल क लोग जुद्ध बरे निकरेन तउ उ पचे पराजित भएन उ पचे पराजित भएन काहेकि यहोवा ओनकर पच्छ में कबहुँ नहीं रहा। यहोवा पहिले स इस्त्राएल क लोगन क चितउनी दिहे रहा कि उ पचे पराजित होइहीं, जदि उ पचे ओन लोगन क देवतन क सेवा करिहीं जउन ओनके चारिहूँ कइँती रहत हीं। इस्त्राएल क लोगन क बहोत जियादा नोस्कान भवा।

16तब यहोवा निआवाधीस कहइ जाइवाले प्रमुखन चुनेस। एन निआवाधीसन इस्त्राएल क लोगन क ओन दुस्मनन स बचाएस जउन एनकर सम्पत्ति लइ लिहे रहेन। 17किन्तु इस्त्राएल क लोग आपन निआवाधीसन क एक न सुनेन। उ पचे दूसर देवतन क अनुसरण अउर पूजा करत रहेन। उ पचे हाली ही आपन पुरखन जउन यहोवा क आदेस क पालन करत रहेन, क राह स मुड गएन। उ पचे अब इ अउर नहीं किहेन।

18मुला जब कबहुँ यहोवा ओनकर बरे निआवाधीस पठाएस, तउ यहोवा निआवाधीस क संग रहेन। एह बरे जब तलक निआवाधीस जिअत रहा उ ओन लोगन क ओनकइ दुस्मनन स बचाएस। यहोवा इ किहेस काहेकि जब उ पचे ओन लोगन क कारण जउन ओन लोगन पइ जुल्म अउ अत्याचार किहेन, चिचियात रहेन तउ उ ओन पइ दया किहे रहेन। 19किन्तु जब हर निआवाधीस मर गवा, तब इस्त्राएल

क लोग फुन पाप किहेन अउर लबार देवतन क अनुसरण अउर पूजा सुरू किहेन। उ पचे आपन पुरखन क भी जिआदा बुरा बेउहार किहेन। इस्त्राएल क लोग बहोत हठी रहेन, उ पचे आपन पाप क मार्ग बदलइ स इन्कार कइ दिहेन।

20इ तरह यहोवा इस्त्राएल क लोगन पइ बहोत कोहाइ गवा अउर उ कहेस, “इ रास्ट्र उ करार क तोड़ेस ह जेका मई ओनके पुरखन क संग किहे रहेउँ। उ पचे मोरे नहीं सुनेन। 21एह बरे मई दूसर रास्ट्रन क अउर पराजित नहीं करब, अउर न ही इस्त्राएल क लोगन क राह साफ करब। उ सबइ रास्ट्र ओन दिनन भी उ पहेँटा में रहेन जब यहोसू मरा रहा अउर मई ओन रास्ट्रन क प्रदेस में रहइ देब। 22मई ओन रास्ट्रन क उपयोग इस्त्राएल क लोगन क परीच्छा लइ बरे करव। मई इ लखब कि इस्त्राएल क लोग आपन यहोवा क आदेस वइसे ही मानत हीं या नाही जइसे ओनकर पुरखन मानत रहेन।” 23यहोवा ओन रास्ट्रन क ओन प्रदेस में रहइ दिहे रहा। यहोवा हाली स ओन रास्ट्रन क आपन देस छोड़इ नहीं दिहेस। उ ओनका हरावइ में यहोसू क सेना क मदद नहीं किहेस।

3 इ सबइ रास्ट्रन अहइ जेनका यहोवा प्रदेस में छोड़ दिहे रहा। उ अइसा ओन सबहिँ इस्त्राएली लोगन क परीच्छा लेइ बरे किहे रहा जउन कनान क कब्जा करइवाले जुद्ध नहीं लड़े रहेन। 2उ पहेँटा में यहोवा क जरिये ओन रास्ट्रन क रहइ देइ क कारण इहइ रहा कि इस्त्राएल क ओन लोगन क सिच्छा दीन्ह जाइ जउन जुद्धन में नहीं लड़ा रहेन। अलिस्ती लोगन क पाँच सासक, सबहिँ कनानी लोग सीदोन क लोग अउर हिब्बी लोग जउन लबानोन क पहाइ में बालहेर्मोन पर्वत स लइके हमात तलक रहत रहेन। 4यहोवा ओन रास्ट्रन क इस्त्राएल क लोगन क परीच्छा लेइ बरे उ पहेँटा में रहइ दिहस। परमेस्सर इ लखइ चाहत रहा कि इस्त्राएल क लोग यहोवा क ओन आदेसन क पालन करिहीं या नहीं, जेनका उ मूसा क जरिये ओनके पुरखन क दिहे रहा।

5इस्त्राएल क लोग कनानी, हिती, एमोरी, परिज्जी, हिब्बी अउर यबूसी लोगन क संग रहत रहेन। 6इस्त्राएल क लोग ओन लोगन क बिटियन क संग बियाह करब सुरू कइ दिहेन। इस्त्राएल क लोग आपन बिटियन क ओन लोगन क बेटवन क संग बियाह कइ दिहेन अउर इस्त्राएल क लोग ओन लोगन क देवतन क सेवा किहेन।

पहिला निआवाधीस ओत्नीएल

7इस्त्राएल क लोग उहइ किहेन जेनका यहोवा बुरा ठेहराएन। पाप करत अहइँ। इस्त्राएल क लोग यहोवा आपन परमेस्सर क बिसरि गएन अउर बाल क मूर्तियन अउ आसेर क मूर्तियन क सेवा अउर पूजा कइ लागेन। 8यहोवा इस्त्राएल क लोगन पइ कोहाइ गवा। यहोवा कुसन रिस आइतम क जउन मेसोपोटामिया क राजा रहा, इस्त्राएल क लोगन क हरावइ अउर ओन पइ सासन कइ दिहस। इस्त्राएल क लोग उ राजा क सासन में आठ बरिस तलक रहेन। 9किन्तु इस्त्राएल क लोग यहोवा क रोइके गोहराएन।

यहोवा एक मनई क ओनकर रच्छा बरे पठएस। उ मनई क नाउँ ओत्नीएल रहा। उ कनजी क पूत रहा। कनजी कालेब क लहुरा भाई रहा। ओत्नीएल इस्त्राएल क लोगन क बचाएस। 10 यहोवा क आतिमा ओत्नीएल पड़ उतरी। उ इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस होइ गवा अउर ओन लोगन क जुद्ध में अगुवाइ किहेन। यहोवा मेसोपोटामिया क राजा कूसत्रिसातैम क हरावइ में ओथनिएल क मदद किहेस। 11 इ तरह उ भुईया चालीस बरिस तलक सान्त रहा, जब तलक कनजी नाउँ क मनई क पूत ओत्नीएल नहीं मरा।

निआवाधीस एहूद

12 एक दाई फुन इस्त्राएल क लोग उहइ किहेन जेका यहोवा गलत कहेस। एह बरे यहोवा मोआब क राजा एग्लोन क इस्त्राएल क लोगन क हरावइ क सकती दिहेस काहेकि उ पचे उहइ किहेन जेका यहोवा बुरा कहेस। 13 एग्लोन इस्त्राएल क लोगन पड़ हमला करत समइ अम्मोनियन अउ अमालेकियन क अपने संग लिहस एग्लोन अउ ओकर फउज इस्त्राएल क लोगन क हराएस अउर ताइ क बृच्छनवाले नगर स ओनका निकार बाहेर किहस। 14 इस्त्राएल क लोग अट्ठारह बरिस तलक मोआब क राजा एग्लोन क सासन में रहेन।

15 तब लोग यहोवा स पराथना किहेन अउर रोइके ओका गोहराएन। यहोवा इस्त्राएल क लोगन क रच्छा बरे एक मनई क पठएस। उ मनई क नाउँ एहूद रहा उ बिन्यामीन क परिवार समूहे क गेरा नाउँ क मनई क पूत रहा। एहूद बायों हाथ क रहा। इस्त्राएल क लोग एहूद क मोआब क राजा एग्लोन बरे कर क रूप में कछू धन देइ क पठएस। 16 एहूद अपने बरे एक तु तरवार बनाएस। उ तरवार दुइधारी रही अउर लगभग अट्ठारह इंच लम्बी रही। एहूद तरवारे क आपन दाहिना जाँघि में बाँधिस अउर आपन ओढ़नन में छुपाइ लिहस।

17 इ तरह एहूद मोआब क राजा एग्लोन क लगे आवा अउ ओका भेंट क रूप में धन दिहस। (एग्लोन बहोत मोटा आदमी रहा।) 18 एग्लोन क धन देइ क पाछे एहूद ओन मनइयन क घर पठइ दिहेस, जउन धन लिआए रहेन। 19 उ पचे राजा क महल छोड़े दिहेस। जब एहूद गिलगाल क मूरतियन क पास पहुँचेन तउ उ वापिस मुडेन अउर राजा क लखइ बरे गएन। एहूद एग्लोन स कहेस, “राजा, मई आप क बरे एक गुप्त सँदेसा लाएँ ह।” राजा कहेस, “चुप रहा।” तब उ सबहिं नउकरन क कमरा स बाहेर पठइ दिहस। 20 एहूद राजा एग्लोन क लगे गवा। एग्लोन एकदम अकेला आपन गर्मी महल क ऊपर क कमरे में बइठा रहा। तब एहूद कहेस, “मई परमेस्सर क हिआँ स आप क बरे सँदेसा लाएँ अहउँ।” राजा आपन सिंहासने स उठा, उ एहूद क बहोत निचके रहा। 21 जइसेन ही राजा अपने सिंहासने स उठा, एहूद आपन बाएँ हाथ क बड़ाएस अउर उ तरवार क निकारेस जउन ओकर दाई जाँघि में बाँधी रही। तब एहूद तरवार क राजा क पेट में भोंक दिहेस। 22 तरवार एग्लोन क पेट में ऐतनी भीतर गइ कि ओकर मूठ भी ओहमों समाइ गइ। राजा क चर्बी पूरी तरवार क छुपाइ

लिहस। एह बरे एहूद तरवार क एग्लोन क अन्दर छोड़ दिहस। जब एग्लोन क भोंका गवा रहा तउ उ आपन अत्रि अउ अमासय पर नियन्त्रण नहीं रख सकेन अउर ओकर मल बाहार आगएन।

23 एहूद कमरा स बाहेर गवा अउर उ आपन पाछे दरवाजन में ताला लगाइके बन्द कइ दिहस। 24 एहूद क चले जाइ क ठीक पाछे नौकर वापस आएन। उ पचे कमरा क दरवाजन में ताला लगाइ पाएन। एह बरे नौकर लोग कहेन, “राजा आपन आराम कच्छ क हवादार सौचालय में सौच करत रहा होइहीं।” 25 एह बरे नौकर लोग लम्बे समइ तलक प्रतीच्छा किहेन। राजा अटारी के कमरे के द्वार कबहुँ नहीं खोलेस। आखिर में उ सबइ चिन्तित भएन। उ पचे चाभी लिहेन अउ दरवाजन खोलेन। जब नौकर लोग घुसेन तउ उ पचे राजा क फर्स पड़ मरा पड़ा निहारेन।

26 जब तलक नौकर लोग राजा क प्रतीच्छा करत रहेन तब तलक एहूद क भाग पराइ क समइ मिल गवा। एहूद मूरतियन क लगे स होइके सेइरे नाउँ क ठउरे कइँती गवा। 27 एहूद सेइरे नाउँ क ठउरे पड़ पहुँचा। तब उ एप्रैम क पहाड़ी छेत्र में तुरही बजाएस। इस्त्राएल क लोग तुरही क आवाज सुनेन अउर उ पचे पहाड़ियन स उतरेन। एहूद ओनकर संचालक रहा। 28 एहूद इस्त्राएल क लोगन स कहेस, “मोरे पाछे चला। यहोवा मोआब क लोगन अर्थात हमरे दुस्मनन क हरावइ में हमार मदद किहेस ह।”

एह बरे इस्त्राएल क लोग एहूद क अनुसरण किहेन। उ पचे एहूद क अनुसरण ओन ठउरन पड़ अधिकार करइ बरे करत रहेन जहाँ स यरदन नदी आसानी स पार कीन्ह जाइ सकत रही। उ सबइ ठउर मोआब क प्रदेस तलक पहुँचावत रहेन। इस्त्राएल क लोग कउनो क यरदन नदी क पार नहीं जाइ दिहेन। 29 इस्त्राएल क लोग मोआब क करीब दस हजार बलवान अउ साहसी मनइयन क मार डाएन। एक भी मोआबी पराइके बच नहीं सका। 30 एह बरे उहइ दिना स मोआब क लोगन क इस्त्राएल क लोगन क सासन में रहइ क मजबूर कीन्ह गएन अउर हुआँ उ भुईया में अस्सी बरिस तलक सात्ति बिराज रही।

निआवाधीस समगर

31 एहूद क बाद एक दूसर मनई इस्त्राएल क बचाएस। उ मनई क नाउँ समगर रहा उ अनात नाउँ क पूत रहा। समगर कोड़े क उपयोग छः सौ पलिस्ती मनइयन क मार डावइ बरे किहेस।

अउरत निआवाधीस दबोरा

4 एहूद क मृत्यु क पाछे इस्त्राएलियन एक बार फुन उहइ किहेन जउन यहोवा क नजर में बुरा रहा। 2 एह बरे यहोवा कनान प्रदेस क राजा याबीन क इस्त्राएली लोगन क पराजित करइ दिहस। याबीन हासोर नाउँ क नगर में सासन करत रहा। राजा याबीन क सेना क सेनापति सीसरा नाउँ क मनई रहा। सीसरा हरोसेत हाग्योथीम नाउँ क नगर में रहत रहा। 3 सीसरा क लगे नौव सौ लोहा क रथ रहेन अउर उ बीस बरिस तलक इस्त्राएल क लोगन क बरे बहोत

क्रूर रहा। इस्राएल क लोगन क संग बहोत बुरा बेउहार कीन्ह गवा। एह बरे उ पचे यहोवा क पराथना किहेस अउर मदद बरे रोइके पुकारेस।

4दबोरा नाउँ क एक ठु मेहरारू नबी रही। उ लपतीदोत नाउँ क मनई क पत्नी रही। उ उ समइ इस्राएल क निआवाधीस रही। 5एक दिन दबोरा, ताड़ क बृच्छ क खाले बइठी रही जेका “दबोरा क ताड़ बृच्छ” कहा जात रहा। इस्राएल क लोग ओकर लगे इ पूछइ बरे आपन कि सीसरा क बारे में का कीन्ह जाइ। दबोरा क ताड़ बृच्छ एप्रैम क पहाड़ी प्रदेश में रामा अउ बेतेल नगरन क बीच रहा। 6दबोरा बाराक नाउँ क मनई क लगे सँदेसा पठएस। उ ओका ओहसे मिलइ क कहेस। बाराक अबीनोअम नाउँ क मनई क पूत रहा। बाराक नप्ताली क छेत्र में केदेस नाउँ क नगर में रहत रहा। दबोरा बाराक स कहेस, “यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर तोहका आदेस देत ह, ‘जा अउर नप्ताली अउर जबूलून क परिवार समूहन स दस हजार मनइयन क इकट्ठा करा अउर ओनका ताबोर पहाड़ी पड़ लइ जा। 7मई याबीन क सेना क सेनापति सीसरा क तोहरे पास पठउब। मई सीसरा, ओकर रथन अउर ओकर सेना क कीसोन नदी पड़ पहेँचाउब। मई हुवाँ सीसरा क हरावइ मैं तोहार मदद करब।”

8तब बाराक दबोरा स कहेस, “जदि तू मोरे संग चलबिउ तउ मई जाब अउर इ करब। किन्तु जदि तू नहीं चलबिउ तउ मई नहीं जाब।”

9दबोरा जवाब दिहस, “निहचय ही, मई तोहरे संग चलब। किन्तु तोहरी स्वभाव क कारण जब सीसरा हरावा जाइ, तोहारा प्रसिद्धता नहीं मिली। यहोवा एक ठु मेहरारू क जरिये सीसरा क हराइ देइ।”

एह बरे दबोरा बाराक क संग केदेस नगर क गइ।

10केदेस नगर में बाराक जबूलून अउ नप्ताली क परिवार समूहन क एक संग बोलाएस। बाराक ओन परिवार समूह स, अपने संग चलइ बरे दस हजार मनइयन क बटोरिस। दबोरा भी बाराक क संग गइ।

11हुआँ हेबेर नाउँ क एक अइसा मनई रहा जउन केनी लोगन में स रहा। हेबेर दूसर केनी लोगन क छोड़ चुका रहा। (केनी लोग होबाब क सन्तान रहेन। होबाब मूसा क ससुर रहा।) हेबेर साननीम बलूत क बृच्छ क लगे सिबिर लगाएस। साननीम केदेस नगर क लगे अहइ।

12तब सीसरा स इ कहा गवा कि बाराक जउन कि अबीनोअम क पूत अहइ, ताबोर पर्वत तलक पहेँच गवा अहइ। 13एह बरे सीसरा आपन नौव सौ लोहा क रथन क बटोरिस। सीसरा आपन सबहिं फउजियन क भी संग लिहस। हरोसेत हाग्योयीम नगर स उ पचे कीसोन नदी तलक जात्रा किहेन।

14तब दबोरा बाराक स कहेस, “आजु जा! यहोवा तोहका सीसर क हरावइ मैं मदद देइ। निहचइ ही, तू जानत अहा कि यहोवा पहिले स ही तोहरे बरे रस्ता साफ कइ रखेस ह।” एह बरे बाराक दस हजार फउजियन क ताबोर पर्वत स निचे उतारेस। 15बाराक अउर ओकर फउजियन सीसरा पड़ हमला कइ दिहन। जुद्ध क दौरान यहोवा सीसरा, ओकर

फउज अउ रथन क अस्तव्यस्त कइ दिहस। एह बरे बाराक अउ ओकर फउज सीसरा क फउज क हराइ दिहस। किन्तु सीसरा आपन रथ क तजि दिहस अउ पैदल पराइ गवा। 16बाराक अउर ओकर फउजी सीसरा क रथन अउर फउज क पाछ हरोसेत हाग्योयीम तलक लगातार किहन। बाराक क फउजियन सीसरा क फउजियन क मारइ बरे आपन तरवासन क उपयोग किहन। सीसरा क कउनो फउजी जिअत नहीं बचा।

17मूला सीसरा परइ गवा। उ उ तम्बू क लगे आवा, जहाँ याएल नाउँ क एक ठु मेहरारू रहत रही। याएल, हेबेर नाउँ क मनई क मेहरारू रही। उ केनी लोगन में स एक रही। हेबेर क परिवार हासोर क राजा याबीन स सान्ति-सन्धि किए भए रहा। एह बरे सीसरा, याएल क तम्बू में पराइ गवा।

18याएल सीसरा क आवत लखेस, एह बरे उ ओहसे मिलइ बाहेर गइ। याएल सीसरा स कहेस, “मोरे तम्बू में आवा, मोर सुआमी, आवा डेराअ नहीं।” एह बरे सीसरा याएल क तम्बू में गवा अउर उ ओका एक ठु कमबल स ढाँपि लिहिस।

19सीसरा याएल स कहेस, “मई पिआसा अहउँ। कृपा कइके मोका पिअइ क तनिक पानी द्या।” एह बरे याएल एक मसक खोलेस, जेहमँ उ दूध रखे रहा अउर उ पिअइ क दिहस। तब उ सीसरा क ढाँपि लिहिस।

20तब सीसरा याएल स कहेस, “तम्बू क दुआर पड़ जा। जदि कउनो हुवाँ स गुजरत ह अउर पूछत ह, ‘का हिआँ कउनो अहइ?’ तउ तू कह्या - ‘नहीं।’”

21किन्तु हेबेर क मेहरारू याएल तम्बू क एक खूँटी अउ हथौड़ा लिहस। याएल चुपचाप सीसरा क लगे गइ। सीसरा बहोत थका रहा एह बरे उ सोवत रहा। याएल तम्बू क खूँटी क सीसरा क मूँड क एक कइँती धरेस अउर ओह पड़ हथौड़ा स चोट किहस। तम्बू क खूँटी सीसरा क मूँड क एक कइँती स होइके जमीन में धँस गइ अउर इ तरह सीसरा मर गवा।

22ठीक तुरंत बाद बाराक सीसरा क हेरत भवा याएल क तम्बू क लगे आवा। याएल बाराक स मिलइ बाहेर निकरी अउर बोली, “अन्दर आवा अउर मई उ मनई क देखाउब जेका तू हेरत अहा।” एह बरे बाराक याएल क साथ तम्बू में घुसा। बाराक हुवाँ सीसरा क जमीन पड़ मरा पड़ा पाएस, तम्बू क खूँटी ओकरे मूँडी क एक कइँती स दूसरी कइँती निकरी भइ रही।

23उ दिन यहोवा कनान क राजा याबीन को इस्राएल क लोगन क समन्वा हराएस। 24इ तरह इस्राएल क लोग क्रम स जियादा सक्तिसाली होत गएन अउर उ पचे कनान क राजा याबीन क हराइ दिहन। इस्राएल क लोग कनान क राजा याबीन क आखिरी रूप स हराएस।

दबोरा क गीत

5 जउने दिन इस्राएल क लोग सीसरा क हराएन उ दिन दबोर अउर अबीनोअम क पूत बाराक इ गीत क गाएस:

2इस्त्राएल क लोग अपने क जुद्ध बरे तइयार किहन। उ पचे जुद्ध में भाग लेइ बरे खुद आएन। यहोवा क बखान करा!

3राजा लोग, सुना। सासक लोगो, धियान द्या। मई गाउब। मई खुद यहोवा क बरे गाउब। मई यहोवा, इस्त्राएल क लोगन क परमेस्सर क स्तुति करब।

4हे यहोवा, अतीत में तू सेईर देस स आया। तू एदोम प्रदेस स चलकर आया, अउर धरती काँप उठी। गगर बरसा किहेस, मेघन जल गिराएन।

5पर्वत यहोवा, सिनाई पर्वत क परमेस्सर क समन्वा, यहोवा, इस्त्राएल क लोगन क परमेस्सर क समन्वा काँप उठेन।

6अनात क पूत समगर क समइ में अउर याएल क समइ में, राजमार्गन सूना रहेन। काफिले अउ राही, गौण पथन स चलत रहेन।

7इस्त्राएल में कउनो जोधा नहीं रहा, हे दबोरा, जब तलक तू नहीं आएस रहा, जब तलक तू इस्त्राएल क महतारी बनिके न खड़ी भइउ रहा हुआँ कउनो फउजी नहीं रहा।

8परमेस्सर नवे प्रमुखन क चुनेस कि उ पचे नगर-द्वार पइ जुद्ध करई। इस्त्राएल क चालीस हजार फउजियन में, कउनो ढाल अउ भाला नहीं पाइ सका।

9मोर हिरदय इस्त्राएल क सेनापतियन क संग अहइ। इ सबइ सेनापति खुद आपन इच्छा स जुद्ध में गएन। यहोवा प्रसंसा करा।

10सफेद गदहन पइ सवार होइवाले लोगो तू पचे, जउन कम्बले क काठी पइ बइठत अहा अउर तु जउन राजपथे पइ अहा, धियान द्या।

11घुंघरुअन क छमछम संगीत, गोरुअन बरे पानी वाले कुअँन पइ, सुना जा सकत ह। लोग यहोवा क विजय गीत गावत ह। उ पचे इस्त्राएल में यहोवा अउ ओकर वीरन क विजय-कथा कहत हीं। उ जब समइ यहोवा क लोग नगर दुआसन पइ लड़ेन अउर विजयी भएन।

12दबोरा जागा, जागा! जागा, जागा गीत गावा जागा, बाराक! जा, हे अबीनोअम के पूत आपन दुस्मनन क धरा!

13तउ कछू मनइयन ताकतवर मनइयन स लइइ बरे गएन। “यहोवा क लोगो, सक्तीसाली सिपाहियन क खिलाफ मोरे संग आवा।

14एप्रैम क कछू लोग अमालेक क पहाड़ी प्रदेस स आएन। हे बिन्यामीन, तू अउर तोहार लोग ओन मनइयन क अनुसरण किहन। माकीर क परिवार समूह स सेनापतियन आगे आएन। काँसे क दण्ड क संग जबूलून परिवार समूह स नेता लोग आएन।

15इस्साकार क नेता दबोरा क संग रहेन। इस्साकार क परिवार समूह बाराक क बरे सच्चा रहा। उ सबइ मनई पैदल ही घाटी में पठवा गएन। रूबेन तोहार फउज में बहोत सारे बहादुर सिपाही अहइ।

16एह बरे आपन भेड़वाले देवार स लगे तू सबहिं काहे बइठा अहा? रूबेन क वीर फउजियन जुद्ध बरे बहोत जियादा सोचेन। किन्तु उ पचे घर बइठेन भेड़िन बरे बजाइ जा रहेन संगीत क अनकत रहेन।

17गिलाद क लोग यरदन नदी क पार आपन डेसन में पड़ा रहेन। ऐ, दान क लोगो, जहाँ तलक बात तोहार पचन्क अहइ तू पचे जहाजन क संग काहे चिपका रह्या? आसेर क लोग सागर तट पइ पड़ा रहेन। उ पचे आपन सुरच्छित बन्दरगाहन में डेरा डाएन।

18किन्तु जबूलून क लोग अउर नप्टाली क लोग, मैदान क ऊच छेत्रन में जुद्ध क खतरे में जीवन क डाएन।

19राजा लोग आएन, उ पचे लड़ेन, उ समइ कनान क राजा लोगन, तानक सहर में मगिद्दो क जलासय पइ लड़ा किन्तु उ पचे इस्त्राएल क लोगन क कउनो सम्पति नहीं लइ जाइ सकेन।

20गगन क नछत्रन जुद्ध किहेन। नछत्रन आपन पथ स, सीसरा स जुद्ध किहन।

21कीसोन नदी, सीसरा क फउजियन क बहाइ लइ गइ, उ पुरानी नदी-कीसोन नदी। मोर आतिमा, सक्ती स आगे बढ़ा!

22उ समइ घोड़न क खरन भुइँया क पीटेन। सीसरा क सक्तीसाली घोड़न भागत गएन, भागत गएन।

23यहोवा क दूत कहेस, “मेरोज नगर क अभिसाप द्या। लोगन क अभिसाप द्या। लोगन क अभिसाप द्या जोधन क संग उ पचे यहोवा क मदद करइ नहीं आएन।”

24केनी हेबेर क मेहरारू याएल सबहिं मेहरारूअन में स सब स जियादा धन्य होइ।

25सीसरा जल माँगेस, किन्तु याएल दूध दिहस, उ सासक क बरे एक ठु उपयुक्त पिआला में मलाई लिआएस।

26याएल बाहेर गइ अउर तम्बू क खूँटी लिआएस। ओकर दाहिने हाथे में हथौड़ा रहा जेका मजदूर काम लिअवतेन। अउर उ सीसरा पइ हथौरा चलाएस। उ ओकरे मूँड़ चूर किहेस। उ ओकरे मूँड़ क एक कइँती स बेधेस।

27उ याएल क गोड़न क बीच बूड़ा। उ मर गवा। उहुँवई पइ गवा। उ ओकरे गोड़न क बीच बूड़ा। उ मर गवा जहाँ सीसरा बूड़ा। हुँवई उ गिरा, मर गवा।

28सीसरा क महतारी, खिड़की स लखत अउर पर्दन स झाँकत भइ चिचियाइ उठी। “सीसरा क रथ क आवई में देरी काहे भवा? सीसरा क रथ क घोड़न क हिनहिनाइ में देरी काहे भवा?”

29सब स चतुर ओकर सेविकन जवाब ओका देतिन, हाँ सेविका ओका जवाब देत।

30“निहचइ ही उ पचे विजय पाएन ह, निहचय ही पराजितन क चिजियन उ पचे हड़पत अहई निहचय ही उ पचे आपुस में चिजियन क बाँटत हीं। एक ठु या दुइ लइकी, हर फउजी क दीन्ह जात हीं।

संभव अहइ सीसरा कउनो रंगा ओढ़ना लेत अहइ, संभव अहइ इ एक कढ़े ओढ़ना क टूका होइ, या संभव अहइ, विजय सीसरा क पहिरइ बरे दुइ हुका होइ।”

31हे यहोवा। इ तरह तोहार, दुस्मन मर-मिट जाइँ। किन्तु उ सबइ लोग जउन तोहका पियार करत हीं उदय होत भवा चमकीला क समान सक्तीसाली बनइ।”

तउ देस में चालीस बरिस तक सान्ति रही।

मिदयानी इस्राएल क लोगन स जुद्ध करत हीं

6 तउ इस्राएलियन उहइ किहस जेका यहोवा बुरा कहेस। एह बरे सात बरिस तलक यहोवा मिदयानी लोगन क इस्राएल क पराजित करइ दिहस।

2मिदयानी लोग बहोत सक्तिसाली रहेन अउ इस्राएल क लोगन क बरे बहोत क्रूर रहेन। एह बरे इस्राएल क लोग पहाड़न में बहोत स छुपइ क ठउर बनाएन। उ पचे आपन भोजन भी गुफन में अउर ओन ठउरन में जेका खोजब कठिन रहा छुपाएन। 3उ पचे इ किहेन, काहेकि मिदयानी, अमालोकी अउर पूर्वी लोगन सदा आवत रहेन अउर फसलन क नस्ट करत रहेन। 4उ सबइ लोग उ प्रदेस में डेरन डावत रहेन अउ उ फसल क नस्ट करत रहेन जउन इस्राएल क लोग जमावत रहेन। ऊज्जा नगर क निअरे तलक क प्रदेस क इस्राएल क लोगन क फसल क उ पचे लोग नस्ट करत रहेन। उ सबइ लोग इस्राएल क लोगन क खाइ क बरे कछू भी नहीं छोड़त रहेन। उ पचे ओनके बरे भेड़ या पसु या गदधा भी नहीं छोड़त रहेन। 5मिदयानी लोग आपन अउर उ पचे उ प्रदेस में डेरा डाएन। उ पचे अपने संग आपन परिवार अउर जनावसन क भी लिआएन। उ पचे एतने जियादा रहेन जेतने टिडिइयन क दल। ओन लोगन अउ ओनकर ऊँटन क गिनती एतनी जियादा रही कि ओनका गनब संभव नहीं रहा। इ सबइ लोग उ भुइँया में आएन अउ ओका नस्ट कइ डाएन। 6इस्राएल क लोग मिदयानी लोगन क कारण बहोत गरीब होइ गएन। एह बरे इस्राएल क लोग यहोवा क मदद बरे रोइके गोहराएन।

7जब मिदयानियन क कारण इस्राएलियन यहोवा क समन्वा रोएस। 8तउ यहोवा ओनके लगे एक ठु नबी पठाएस। नबी इस्राएल क लोगन स कहेस, “यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर इ कहेस ह कि, ‘तू लोग मिस्र देस में दास रहया। मई तू लोगन क अजाद किहेउँ अउर मई उ देस स तू पचन्क बाहेर लिआएउँ। 9मई मिस्र क सक्तीसाली लोगन स तोहार पचन्क बचाएउँ। तब कनान क लोग तू पचन्क कस्ट दिहेन। एह बरे मई फुन तोहार पचन्क बचाएउँ। मई ओन लोगन स ओनकर देस छोड़वाएउँ अउर मई ओनकर देस तू पचन्क दिहेउँ। 10तब मई तू पचन्स कहेउँ, ‘मई यहोवा तोहार पचन्क परमेस्सर अहउँ। तू लोग एमोरी लोगन क भुइँया में रहब्या, किन्तु तू पचन्क ओनकर लबार देवतन क पूजा नहीं करइ चाही।’ परन्तु तू लोग मोरी आग्या क पालन नहीं किहया।”

यहोवा क दूत गिदोन क लगे आवत ह

11उ समइ, यहोवा क दूत गिदोन नाउँ क मनई क लगे आवा। यहोवा क दूत आवा अउर ओप्रा में बलूत क तले बइठा। इ बलूत क बृच्छ योआस नाउँ क मनई क रहा। योआस अबीएजेरी लोगन में स एक रहा। योआस गिदोन क बाप रहा। गिदोन कछू गोहूँ दाखरस निकारइ क यंत्र में कूटत रहा। गिदोन मिदयानी लोगन स आपन गोहूँ छुपावइ क जतन करत रहा। 12यहोवा क दूत गिदोन क समन्वा परगट भवा अउर ओहसे कहेस, “सक्तिसाली योद्धा, यहोवा तोहरे संग होइ!”

13तब गिदोन कहेस, “महोदय, मई किरिया खाइके कहत हउँ कि यदि यहोवा हमारे संग अहइ तउ हम लोगन क एतना कस्ट काहे अहइ? हम लोग सुना ह कि उ हमार पुरखन बरे अजूबा कारज किहे रहा। हमार पुरखन हम लोगन स कहेन कि यहोवा हम लोगन क मिस्र स बाहेर लिआबा। किन्तु अब यहोवा हम लोगन क तजि दिहेस ह। यहोवा मिदयानी लोगन क हम लोगन क हरावइ दिहस।”

14यहोवा गिदोन कइँती मुड़ा अउर ओनसे बोला, “आपन सक्ती क प्रयोग करा। जा अउर मिदयानी लोगन स इस्राएल क लोगन क रच्छा करा। का इ अइसा नहीं अहइ कि मई तोहका पठवत हउँ?”

15किन्तु गिदोन जवाब दिहेस अउर कहेस, “महोदय, छिमा करइँ, मई इस्राएल क रच्छा कइसे कइ सकत अहउँ? मारे परिवार मनस्से क परिवार समूह में सबसे कमजोर अहइ अउर मई आपन परिवार में सबसे लहुरा हउँ।”

16यहोवा गिदोन क जवाब दिहेस अउर कहेस, “मिदयानी लोगन क हरावइ मैं मदद करइ बरे मई तोहरे संग रहब। इ ऐसा मालूम होइ कि तू एक मनई क खिलाफ लड़न अहा।”

17तब गिदोन यहोवा स कहेस, “जदि तू मोहसे खुस अहा तउ सबूत द्या कि तू फुरइ यहोवा अहा। 18कृपा कइके तू हिआँ रूका। जब तलक मई लउट न आवउँ तब तलक तू न जा। मोका मोर भेट लिआवइ द्या अउर ओका तोहरे समन्वा रखइ द्या।”

एह बरे यहोवा कहेस, “मई तब तलक प्रतीच्छा करब जब तलक तू लउटत्या नाही।”

19एह बरे गिदोन गवा अउर उ एक ठु बोकरी क बच्चा खउलात पानी में पकाएस। गिदोन लगभग एक एपा आटा भी लिहस अउर बेखमीरी रोटियन बनाएस। तब गिदोन माँस क एक टोकरा में अउ पके भए माँस क सोरबे क एक बर्तन में लिहस। तउ गिदोन माँस, पके माँस क सोरबा अउ बेखमीरी रोटियन क निकारेस। गिदोन उ खइया क बलूत क बृच्छ क नीचे यहोवा क दिहस।

20परमेस्सर क दूत गिदोन स कहेस, “माँस अउ बेखमीरी रोटियन क हुवाँ चट्टाने पइ धरा। तब पका भवा माँस क सोरबा क गिरावा।” गिदोन वइसा ही किहस जइसा करइ क कहा गवा रहा।

21यहोवा क सरगदूत अपने हाथ में एक ठु कुबरी लइ रखे रही। यहोवा क सरगदूत माँस अउ रोटियन क कुबरी क सिरे स छुएस। तब चट्टाने स आगी बरि उठी। माँस अउ रोटियन पूरी तरह बरि गइन। तब यहोवा सरग क दूत अन्तर्ध्यान होइ गवा।

22तब गिदोन समुझेस कि उ यहोवा क सरगदूत स बातन करत अहइ। एह बरे गिदोन चिचियाइ उठा, “सर्वसक्तीमान यहोवा! मई यहोवा क सरगदूत क आमने-सामने लखेउँ ह!”

23किन्तु यहोवा गिदोन स कहेस, “सान्त रहा। डेराअ नाही। तू मरब्या नाही।”

24एह बरे गिदोन यहोवा क उपासना बरे उ ठउरे पइ एक वेदी बनाएस। उ वेदी क नाउँ “यहोवा सान्ति अहइ”

धरेस। उ वेदी अब तलक ओप्रा में खड़ी अहइ। ओप्रा हुवैँ अहइ जहाँ एजेरी लोग रहत ही।

गिदोन बाल क वेदी क गिराइ डावत ह

25उहइ रात यहोवा गिदोन स बातन किहस। यहोवा गिदोन स कहेस, “आपन पिता क एक संपूर्ण प्रौढ़ बर्धा अउर दूसर जउन सात बरिस क अहइ लिआवा। तोहरे पिता क लबार देवता बाल क एक ठु वेदी अहइ। उ वेदी क बगल में एक काठे क खम्भा भी अहइ। खम्भा लबार देवी असेरा क सम्मान बरे बनावा गवा रहा। वेदी क नास कइ द्या अउ असेरा क खम्भा क काट द्या। 26तब यहोवा, आपन परमेस्सर बरे उचित तरह क वेदी बनावा। इ ऊँच ठउरे पइ उ वेदी बनावा। तब एक ठु सम्पूर्ण प्रौढ़ बर्धा क मारा अउर इ वेदी पइ ओका बार द्या। असेरा क खम्भे क काठ क उपयोग आपन भेट क बारइ बरे करा।”

27एह बरे गिदोन आपन नउकरन स दस नउकर क लिहस अउर उहइ किहस जउन यहोवा करइ क कहे रहा। किन्तु गिदोन डेरात रहा कि ओकर परिवार क सदस्य अउर नगर क नागरिक लिख सकत ही कि उ का करत अहइ। गिदोन अहइ किहस जउन यहोवा ओका करइ क कहेस। किन्तु उ इ रात में किहस, दिन में नाहीं।

28अगले भिंसारे नगर क नागरिक सोइके उठेन अउर उ पचे लखेन कि बाल क वेदी नस्त कइ दीन्ह गइ अहइ। उ पचे इ भी लखेन कि असेरा क खम्भा काट डावा ग अहइ। असेरा क खम्भा बाल क वेदी क ठीक पाछे गिर पड़ा। ओन लोग उ वेदी क भी लखेन जेका गिदोन बनाए रहा अउर उ पचे उ वेदी पइ बलि दीन्ह गए बर्धा क भी निहारेन।

29नगर क लोग एक दूसरे क लखेन अउ कहेन, हमरी वेदी क कउन गिराएस? “हमार असेरा क खम्भे क कउन काटेस? इ नवा वेदी पइ कउन इ बर्धा क बलि दिहस?” उ पचे कइउ सवाल किहेन अउर इ पता लगावइ चाहेन कि उ सबइ काम कउन किहेस।

कउनो कहेस, “योआस क पूत गिदोन इ काम किहेस।”

30एह बरे नगर क लोग योआस क लगे आएन। उ पचे योआस स कहेन, “तोहका आपन पूत क बाहेर लिआवइ चाही। उ बाल क वेदी क गिराएस ह अउर उ असेरा क खम्भे क काटेस ह जउन उ वेदी क बगल में रहा। एह बरे तोहरे पूत क मारा जाइ चाही।”

31तब योआस ओन सबइ स जउन ओकरे चारिहुँ ओर खड़ी रही कहेस, “का तू बाल क मुकद्दमा क वकालत करब्या? का तू ओका बचाउब्या? यदि उ एक देवता अहइ तउ जउन कउनो ओकरे खिलाफ करइ उ भिंसारे तलक मरि जाइ! यदि उ देवता अहइ तउ ओका खुद ओकर खिलाफ लइइ चाही जउन ओकर वेदी क काटेस ह।” 32योआस कहेस, “जदि गिदोन बाल क वेदी क गिराएस तउ बाल क ओहसे संघर्ष करइ द्या।” एह बरे उ दिन योआस गिदोन क एक ठु नवा नाउँ दिहस। उ ओका यरूबाल कहेस।

गिदोन मिद्यान क लोगन क हरावत ह

33मिद्यानी, अमालेकी अउ पूर्व क दूसर सबहिँ लोग इस्त्राएल क लोगन क खिलाफ जुद्ध लइइ बरे एक संग मिलेन। उ सबइ लोग यरदन नदी क पार गएन अउर उ पचे यिजेरल क घाटी में डेरा डाएन। 34किन्तु गिदोन पइ यहोवा क आतिमा आएस अउ ओका बड़ी सक्ती प्रदान किहेस। गिदोन अबीएजेरी लोगन क आपन पाछे (अनुसरण) चलइ बरे तुरही बजाएस। 35गिदोन मनस्से परिवार समूह क सबहिँ लोगन क लगे दूत पठएस। उ सबइ दूतन मनस्से क लोगन स आपन हथियार निकारइ अउ जुद्ध बरे तइयार होइ क कहेस। गिदोन असेर, जबूलून अउ नप्ताली क परिवार समूहन क भी दूत पठएस। एह बरे उ सबइ परिवार समूह भी गिदोन स अउर ओकरे आदमियन स भेंटइ गएन।

36तब गिदोन यहोवा स कहेस, “अगर तू इस्त्राएल क लोगन क बचावइ बरे मोर उपयोग करब्या, जइसा तू किहेस, 37मई खरिहान क फर्स पइ एक भेड़ी क ऊन रखत हउँ। जदि सिरिफ भेड़ी क ऊन पइ ही ओस क बँदन होइही, जबकि सारी भुइयाँ सूखी अहइ, तब मई समुझब कि तू आपन कहइ क अनुसार मोर उपयोग इस्त्राएल क बचावइ में करब्या।”

38अउर उ ठीक वइसा ही भवा। गिदोन अगले भिंसारे उठा अउ भेड़ क ऊने क निचोड़ेस। उ भेड़ी क ऊन स पियाला भइ पानी निचोड़ सका।

39तब गिदोन परमेस्सर स कहेस, “मोह पइ जिन कोहाअ। मोका सिरिफ एक अउर अनुरोध करइ द्या। मोका भेड़ी क ऊन स एक दाई अउर परीच्छण करइ द्या। इ समइ भेड़ी क ऊन क उ दसा में झुरान रहइ द्या जब एकरे चारिहुँ कइँती क भुइँया ओस स भीगी होइ।”

40उ रात परमेस्सर उहइ किहेस। सिरिफ भेड़ी क ऊन झुरान रही, किन्तु चारिहुँ कइँती क भुइँया ओसे स भीगी रही।

7 भोर भए भिंसारे, यरूबाल (गिदोन) अउर ओकर सबहिँ लोग आपन डेन हरोद क झरने पइ लगाएन। मिद्यानी लोग मोरह नाउँ क पहाड़ी क खाले डेरा डाए रहेन। इ गिदोन अउर ओकर मनइयन क उत्तर में जहाँ उ पचे डेरा डाए रहेन, रहा।

2तब यहोवा गिदोन स कहेस, “मई तोहरे मनइयन क मदद मिद्यानी लोगन क हरावइ बरे करइ जात हउँ। किन्तु तोहरे लगे इ काम बरे जरूरत स जियादा मनई अहइँ। मई नाहीं चाहत कि इस्त्राएल क लोग मोका बिसरि जाई अउर सेखी मारई कि उ पचे आपन रच्छा खुद किहेन। 3एह बरे आपन लोगन में घोसणा करा। ओनसे कहा, ‘जउन कउनो डेरात होइ, उ गिलाद पहाड़ी छोड़कर आपन घर लउटि सकत ह।’”

एह बरे 22,000 मनइयन गिदोन क तजेन अउर उ पचे अपने घर लउट गएन। किन्तु 10,000 फुन भी ओकर संग रहेन।

4तब यहोवा गिदोन स कहेस, “अबहुँ भी जरूरत स जियादा लोग अहइँ। एन लोगन क जल क लगे लइ जा अउर हुवाँ मई एनकर परीच्छा तोहरे बरे करब। जदि मई

कहब, 'इ मनई तोहरे संग जाई' तउ उ जाइ। किन्तु जदि मई कहब, 'इ मनई तोहरे संग नाही जाइ।' तउ उ नाही जाइ।"

5एह बरे गिदोन लोगन क जल क लगे लइ गवा। उ जल क लगे यहोवा गिदोन स कहेस, "इ तरह लोगन क अलग करा: जउन मनई कूकुर क नाई लपलप कइके जल पीइहीं, उ पचे एक वर्ग में होइहीं। जउन पिअइ बरे निहुरिही, दूसर वर्ग में होइहीं।"

6हुवाँ तीन सौ मनई अइसे रहेन जउन जल मुँहे तलक लिआवइ बरे आपन हाथन क उपयोग किहन अउर ओका कूकुर क नाई लपलप कइके पिएन। बाकी लोग घुटुरूअन क बले निहुरेन अउर उ पचे जल पिएन। 7तब यहोवा गिदोन स कहेस, "मई तीन सौ मनइयन क उपयोग करब अउर कूकुर क नाई लपलप कइके जल पिएन। मई ओनही लोगन क उपयोग मिद्यानी लोगन क हरावइ बरे तोहार सहायता बरे अउर इस्त्राएल क रच्छा कइ बरे करब। दूसर लोगन क अपने घर लउटि जाइ द्या।"

8एह बरे गिदोन इस्त्राएल क सेस मनइयन क ओनके घर पठइ दिहस। किन्तु गिदोन तीन सौ मनइयन क आपन संग रखेस। ओन तीन सौ मनइयन डेरा छोड़ कइ जाइवाले मनइयन क भोजन, सामग्री अउर तुरहियन क रख लिहेन। अबहिं मिद्यानी लोग, गिदोन क खाले घाटी में डेरा डाए भए रहेन।

9रात क यहोवा गिदोन स बातन किहेस। यहोवा ओहसे कहेस, "उठा गिदोन, मिद्यानी फउजी क डेस में जा अउर हमला करा काहेकि मई तोहका ओन लोगन क हरावइ देब। 10किन्तु जदि तू अकेले हुआँ जाइ स डेरात ह तउ आपन नउकर फूरा क अपने संग लइ ल्या। 11जब तू मिद्यानी लोगन क डेरा क लगे जा तउ इ सुना कि उ सबइ लोग का कहत रहे हैं। तब तू इ सुन लेब्या कि उ पचे का कहत अहई तब तू उ डेरा पइ हमला कइ स नाही डेराब्या।"

एह बरे गिदोन अउ ओकर नउकर फूरा दुइनउँ दुस्मन क डेरा क छोर पइ पहुँचेन। 12मिद्यानी, अमालेकी अउ पूरब क दूसर सबहिं लोग उ घाटी में डेरा डाए रहेन। हुवाँ उ पचे एतनी बड़ी गनती में रहेन कि टिड्डी-दल क नाई जान पड़त रहेन। अइसा जान पड़ा कि ओन क लगे ऐतना ऊँट रहेन, जेतना समुदर क किनारे बाल क कण।

13जब गिदोन दुस्मनन क डेरा में पहुँचा, उ एक मनई क बातन करत सुनेस। उ मनई आपन देख भए सपन क आपन मित्र क बतावत रहा। उ मनई कहत रहा, "मई इ सपना लखेउँ कि मिद्यान क लोगन क डेरा में एक गोल रोटी चक्कर खात भइ आइ। उ रोटी डेरा पइ ऐतनी करी चोट किहेस कि डेरा पलट गवा अउर चौड़ा होइके गिर गवा।"

14उ मनई क मीत उ सपन क अरथ जानत रहा। उ मनई क मीत कहेस, "तोहरे सपन क सिरिफ एक ही अरथ बाटइ। यह इस्त्राएल क मनई, यहोसू क पूत गिदोन क तरवार बरे अहइ। एकर मतलब इ अहइ कि परमेस्सर मिद्यानी लोगन क सारी फउज क गिदोन क जरिये परास्त करवाई।"

15जब गिदोन सपन क बारे में सुनेस अउर ओकर अरथ समुझेस तउ उ परमेस्सर क बरे निहुरा। तब गिदोन इस्त्राएली लोगन क डेरा में लउट गवा। गिदोन लोगन क बाहेर बोलाएस, "तइयार होइ जा। यहोवा हम पचन्क मिद्यानी लोगनक हरावइ में मदद करी।" 16तब गिदोन तीन सौ मनइयन क तीन दलन में बाँटिस। गिदोन हर एक मनई क एक तुरही अउर एक खाली घड़ा दिहेस। हर एक घड़ा में एक तु बरत मसाल रही। 17तब गिदोन लोगन स कहेस, "मोका लखत रहा अउर जउन मई करउँ, उहइ करा। मोरे पाछे-पाछे दुस्मन क डेस क छोर तलक चला। जब मई डेस क छोर पइ पहुँच जाउँ, ठीक उहइ करा जउन मई करउँ। 18तू दुस्मन क डेरा क घेर ल्या। मई अउर मोर संग क सबहिं मनइयन आपन तुरही बजइहीं। जब हम लोग तुरही बजाउब तउ तू लोग भी आपन तुरही बजाया। तब एन सब्दन क संग घोसणा करा: 'यहोवा बरे, गिदोन क बरे।'"

19इ तरह गिदोन अउ ओकरे संग क एक सौ मनई दुस्मन क डेस क छोर पइ आएन। उ पचे दुस्मन क डेस में ओनके पहरेदारन क बदली क ठीक पाछे आएन। इ रात क पहरेदारी क आधी समइ रहा। गिदोन अउ ओकर मनइयन तुरहियन क बजाएन अउ आपन घड़न क फोड़ें। 20तब गिदोन क तीनहुँ दलन अपनी तुरहियन बजाएन अउर आपन गगरियन क फोड़ें। ओकर लोग आपन बाएँ हाथे में मसाल लिहेन अउ दाएँ हाथ में तुरहियन लिए भए रहेन। जब उ सबइ लोग तुरहियन बजउतेन तउ उद्घोस करतेन, "यहोवा बरे तरवार, गिदोन बरे तरवार!"

21गिदोन क हर एक मनई डेरा क चारिहुँ कइँती अपने ठउरे पइ खड़ा रहा। मुला डेस क भीतर मिद्यानी लोग चिचियानेन अउ पराइ लागेन। 22जब गिदोन क तीन सौ मनइयन अपनी तुरहियन क बजाएन तउ यहोवा मिद्यानी लोगन क आपुस में एक दूसर क तरवारन स मरवाएस। दुस्मन क फउज उ बेतसित्ता नगर क भागी जउन सरेरा नगर कइँती अहइ। उ सबइ लोग उ आबेत महोला नगर क सीमा तलक परानेन जउन तब्बात नगर क निअरे अहइ।

23तब नप्ताली, आसेर अउ मनस्से क परिवारन क फउजियन क मिद्यानी लोगन क पाछा कइ बरे बुलावा गवा। 24गिदोन एप्रैम क सारे पहाड़ी पहुँटा में दूत पठएस। दूतन कहेन, "अगवा आवा अउर मिद्यानी लोगन पइ हमला करा। बेतबारा तलक नदी पइ अउर यरदन नदी पइ अधिकार करा।"

एह बरे उ पचे एप्रैम क परिवार स सबहिं मनइयन क बोलाएस। उ पचे बेतबारा तलक नदी पइ कब्जा किहन। 25एप्रैम क लोग मिद्यानी लोग क दुइ प्रमुखन क धरेन। एन दुइ प्रमुखन क नाउँ ओरेब अउ जेब रहा। एप्रैम क लोग ओरेब क औरैब क चट्टान नाउँ क ठउरे पइ मार डाएन। तब उ पचे जेब क जेब क दाखरस क कोल्हू नाउँ क ठउरे पइ मारेन। एप्रैम क लोग मिद्यानी लोगन क पाछा करब जारी रखेन। किन्तु पहिले उ पचे ओरेब अउ जेब क मूँडिन क काटेन अउ मूँडिन क गिदोन क लगे लइ गएन। गिदोन यरदन नदी क पार करइवाले घाट पइ ठहरा रहा।

8 एप्रैम क लोग गिदोन स रूठ रहेन। जब एप्रैम क लोग गिदोन स मिलेन, उ पचे गिदोन स पूछेन, “तू हम लोगन क संग अइसा बेउहार काहे किहा? जब तू मिदयानी लोगन क खिलाफ लड़इ गया तउ हम लोगन क काहे नाही बोलाया?” एप्रैम क लोगन गिदोन क संग किरोध में बात किहेन।

2किन्तु गिदोन एप्रैम क लोगन क जवाब दिहेस, “मई ओतनी अच्छी तरह जुद्ध नाही किहा जेतनी अच्छी तरह आप लोग किहन। इ सच अहइ कि तू एप्रैमी लोग फसल काटइ क पाछे जेतना अंगूर बिन तोड़े छोड़ेस रहा। उ सबइ मोर परिवार अबिएजेर क पूरी फसल स भी जियादा रहा। 3इहइ तरह इ बार भी तोहार फसल अच्छी पहिले स नीक अहइ। यहोवा तू लोगन क मिदयानी लोगन क राजकुमारन ओरेब अउ जेब क धरइ दिहेस। मई आपन कामयाबी क तू लोगन क जरिये कीन्ह गए कामन स कइसे तुलना कइ सकत हउँ?” जब एप्रैम क लोग गिदोन क जवाब सुनेन तउ उ पचे खामोस होइ गएन।

गिदोन दुइ मिदयानी राजा लोगन क धरत ह

4तब गिदोन अउ ओकर तीन सौ मनई यरदन नदी पइ आएन अउर ओकरे दूसर कइँती गएन। मुला उ पचे थकेन अउर तउ भी दुस्मनन क पाछा करत रहेन। रहेन। 5गिदोन सुक्कोत नगर क लोगन स कहेस, “मोरे फउजियन क कछू खइया क द्या। मोर फउजी बहोत थके अहइँ। हम लोग अबहिँ तलक जेबह अउर सुल्मुन्ना क पाछा करित अही जउन मिदयानी लोगन क राजा अहइँ।”

6सुक्कोत नगर क प्रमुखन गिदोन स कहेस, “हम तोहरे फउजियन क कछू खइया क काहे देइ? तू जेबह अउर सल्मुन्ना क अबहिँ तलक धर्या नाहीं ह।”

7तब गिदोन कहेस, “काहेकि तू हमका खइया क देइ स इनकार किहेस ओकर बाद जब यहोवा जेबह अउर सल्मुन्ना क धरइ मैं मोका मदद करी। मई हिआँ लउटब अउर मरूभूमि क काँटन अउ कँटरी झाड़ियन क कोड़न स पीटब अउ तोहार चमड़ी उधेड़ब।”

8गिदोन सुक्कोत नगर क तजेस अउर पनूएल नगर क गवा। गिदोन जइसे सुक्कोत क लोगन स भोजन माँगे रहा वइसे ही पनूएल क लोगन स भी भोजन माँगेस। मुला पनूएल क लोग ओका उहइ जवाब दिहेन जउन सुक्कोत क लोग जवाब दिहे रहेन। 9एह बरे गिदोन पनूएल क लोगन स कहेस, “जब मई बिजय पाउब तब मई हिआँ आउब अउर तोहार इ मीनारे क गिराइ देब।”

10जेबह, सल्मुन्ना अउर ओनकर फउजन कर्कोर नगर में रहिन। इ फउज मैं 15,000 सिपाही रहेन। पहिले क फउज मैं सिरिफ इ सबइ सिपाही ही बचा रहेन। उ सक्तीसाली सेना क 1,20,000 बहादुर फउजी पहिले ही मारे जाइ चुका रहेन। 11गिदोन अउ ओकर फउजियन खानाबदोसन क मारग क अपनाएस। उ मारग नोबह अउर योगबहा नगरन क पूरब में अहइ। गिदोन कर्कोर नगर में आवा अउर उ दुस्मन पइ धावा बोलेस। दुस्मन क फउज क हमला क उम्मीद नाही रही। 12मिदयानी लोगन क राजा जेबह अउ सल्मुन्ना पराइ

गएन। मुला गिदोन ओनका पाछा किहेस अउर ओन राजा लोगन क धइ लिहेस। गिदोन अउ ओकर लोग दुस्मन फउज क हराइ दिहेस।

13तब योआस क पूत गिदोन जुद्ध स लउटा। गिदोन अउर ओकर फउजी हेरेस दर्रा नाउँ क दर्रे स होइके लउटेन। 14गिदोन सुक्कोत क एक जवान क धरेस। गिदोन जवान स कछू सवाल पूछेस। जवान कछू नाउँ गिदोन क बरे लिखेस। उ सुक्कोत क प्रमुखन अउर अग्रजन क नाउँ लिखेस। उ सतहत्तर मनइयन क नाउँ दिहेस।

15तब गिदोन सुक्कोत नगर में आवा। उ नगर क लोगन स कहेस, “जेबह अउर सल्मुन्ना हिआँ अहइँ। तू मोर मजाक इ कहिके उड़ाया, ‘हम पचे तोहरे थके फउजियन क खइया क काहे देइ। तू अबहिँ तलक जेबह अउर सल्मुन्ना क नाही धर्या ह।’” 16गिदोन सुक्कोत नगर क अग्रजन क लिहस अउर ओनका दण्ड देइ बरे रेगिस्तान क काँटन अउ कँटरी झाड़ियन स पीटेस। 17गिदोन पनूएल नगर क मीनार क भी गिराइ दिहेस। तब उ ओन लोगन क मार डाएस जउन उ नगर में रहत रहेन।

18अब गिदोन जेबह अउर सल्मुन्ना स कहेस, “तू ताबोर पर्वत पइ कछू मनइयन क मार्या। उ सबई मनई कउने तरह क रहेन?”

जेबह अउर सल्मुन्ना जवाब दिहेन, “उ सबइ मनई तोहरी तरह रहेन। ओनमाँ स हर एक राजकुमार क तरह रहा।”

19गिदोन कहेस, “उ सबइ मनई मोर भाई अउर मोर महतारी क पूत रहेन। यहोवा क जिन्गी क किरिया, जदि तू ओनका नाही मारया, तउ अब मई भी तू पचक्क नाही मारब्या।”

20तब गिदोन येतेर कइँती मुड़ा। येतेर गिदोन क सब स बड़का पूत रहा। गिदोन ओहसे कहेस, “एन राजा लोगन क मार डावा।” मुला येतेर एक ठु लड़का ही रहा अउर डेरात रहा। एह बरे उ आपन तरवार नाहीं निकारेस।

21तब जेबह अउर सल्मुन्ना गिदोन स कहेस, “अगवा बढ़ा अउर खुद हमका मारा। तू पुरूख अहा अउ इ काम करइ बरे काफी बलवान अहा।” एह बरे गिदोन उठा अउ जेबह अउर सल्मुन्ना क मार डावा। तब गिदोन चाँद क तरह बनी सज्जा क ओनके ऊँटन क गटइया स उतार दिहेस।

गिदोन एपोद बनावत ह

22इस्त्राएल क लोग गिदोन स कहेस, “तू हम लोगन क मिदयानी लोगन स बचाएस। एह बरे हम लोगन पइ सासन करा। हम चाहित ह कि तू, तोहार पूत अउ तोहार पोतन हम लोगन पइ सासन करइँ।”

23किन्तु गिदोन इस्त्राएल क लोगन स कहेस, “यहोवा तोहार सासक होइ, न तउ मई तू लोगन पइ हुकूमत करब अउर न ही मोर पूत तोहरे ऊपर सासन करी।”

24इस्त्राएली क लोग जेनका हराएन, ओनमाँ कछू इस्त्राएली लोग रहेन। इस्त्राएली लोगन सोने क कान क बालियन पहिरत रहेन। एह बरे गिदोन इस्त्राएल क लोगन स कहेस, “मई चाहत हउँ कि तू मोरे बरे इ काम करा। मई तू पचन

मैं स हर एक स इ चाहत हउँ कि तू लोग जुद्ध में जउन पाया ओनमों स एक-एक कान क बाली हमका द्या।”

25 एह बरे इस्त्राएल क लोग गिदोन स कहेस, “जउन तू चाहत ह ओका हम खुसी स देब।” एह बरे उ पचे भुईया पइ एक अंगरखा बिछाएन। हर एक मनई अंगरखा पइ एक ठु कान क बाली क लोकाएस। 26 तब उ सबइ बालियन बटोरिके तउली गइन तउ उ सबइ लग भग तैतालीस पौड निकरिन। इ वजन क सम्बंध ओन चीजन क वजन स नाही अहइ जेनका इस्त्राएल क लोग गिदोन क दूसर भेटन क रूप में दिहे रहा। उ पचे चन्दा क आकार अउर आँसू क बूँद क आकार क नाई रतन भी ओका दिहन अउर उ पचे ओका बैंगनी रंग क चोगन भी दिहन। इ सबइ उ सब चिजियन रहिन जउन मिदयानी लोगन क राजा लोग पहिरे रहेन। उ पचे मिदयानी लोगन क राजा लोग ऊँटन क जंजीरियन भी ओका दिहेन।

27 गिदोन उ सोना क उपयोग एपोद बनावइ क बरे किहेस। उ एपोद क आपन निवास क उ नगर में रखेस जेका ओप्रा कहा जात रहा। इस्त्राएल क सबहि लोग एपोद क पूजत रहेन। मुला इ तरह इस्त्राएल क लोग यहोवा बरे अबिस्सासी रहेन अउर एपोद क पूजा करत रहेन। उ एपोद, गिदोन अउ ओकरे परिवार बरे मुसीबत क कारण बन गएन।

गिदोन क मउत

28 इ तरह मिदयानी लोग इस्त्राएल क हुकूमत में रहइ बरे मजबूर कीन्ह गए रहेन। मिदयानी लोग अब अगवा कउनो कस्ट नाही दिहेन। इ तरह गिदोन क जिनगी काल में चालीस बरिस तलक पूरे देस में सान्ति रही।

29 योआस क पूत यरूबाल (गिदोन) अपने घर गवा। 30 गिदोन क आपन सत्तर पूत रहेन। एकर ऐतना जियादा पूत रहेन काहेकि ओकर अनेक मेहररून रहिन। 31 गिदोन क एक ठु रखैल भी रही। जउन सकेम नगर में रहत रही। उ रखैल स भी ओका एक पूत रहा। उ उ पूत क नाउँ अबीमेलेक राखेस।

32 इ तरह योआस क पूत गिदोन खूब बुढ़ाइ जाए पइ मरा। गिदोन उ कब्र में दफनावा गवा, जउन ओकर पिता योआस क रहा। उ कब्र ओप्रा नगर में बाटइ जहाँ अबीएजेरी लोग रहत ही। 33 जइसे ही गिदोन मरा तइसे ही इस्त्राएल क लोग फिन परमेस्सर बरे अबिस्सासी बन गए रहेन। उ सबइ बाल क अनुसरण करइ लागेन। उ पचे बाल बरीत क आपन देवता चुन लिहेस। 34 इस्त्राएल क लोग यहोवा, आपन परमेस्सर क याद नाही करत रहेन, जदपि उ ओनका ओन सबहि दुस्मन स बचाएस जउन इस्त्राएल क लोगन क चारिहुँ कइँती रहत रहेन। 35 इस्त्राएल क लोग यरूबाल क परिवार बरे कउनो दया नाही देखाएन, जदपि उ ओनके बरे बहोत स नीक करम किहे रहेन।

अबीमेलेक राजा बना

9 अबीमेलेक यरूबाल क पूत रहा। अबीमेलेक आपन ओन मामा लोगन क लगे गवा जउन सकेम नगर में

रहत रहेन। उ आपन मामा लोगन अउ महतारी क परिवार स कहेस, 2 “सकेम नगर क प्रमुख लोगन स इ सवाल पूछा: ‘यरूबाल का सत्तर पूतन स आप लोगन क सासित होब तोहार बरे नीक अहइ या कउनो एक मनई स सासित होब? याद राखा, मई तोहार सम्बंधी हउँ।”

3 अबीमेलेक क मामा लोग सकेम क प्रमुख लोग स बात किहेन अउर ओनेस इ सवाल किहेन। सकेम क प्रमुख लोग अबीमेलेक क अनुसरण करइ क निहचइ किहेन। उ पचे कहेन, “आखिरकार उ हमार सम्बंधी अहइ।” 4 एह बरे सकेम क प्रमुख लोग अबीमेलेक क सत्तर चाँदी क टूकन दिहेन। उ चाँदी बालबरीत देवता क मन्दिर क रही। अबीमेलेक चाँदी क उपयोग कछू मनइयन क काम पइ लगावइ बरे किहेन। इ सबई मनई लापरवाह अउ बेकार रहेन। उ सबइ अबीमेलेक क पाछे, जहाँ कहुँ उ गवा, चलत रहेन।

5 अबीमेलेक ओप्रा नगर क गवा। ओप्रा ओकरे पिता क निवास स्थान रहा। उ नगर में अबीमेलेक आपन सत्तर भाइयन क कतल कइ दिहेस। उ सबइ सत्तर भाई अबीमेलेक क बाप यरूबाल क पूत रहेन। उ सबहि क एक पथरे पइ मारेस किन्तु यरूबाल क सब स नान्ह पूत अबीमेलेक स छुप गवा अउर पराइ निकरा। सब स नान्ह पूत क नाउँ योताम रहा।

6 तब सकेम नगर क सबहि प्रमुख अउर बेतमिल्लो क महल क निअम्बर एक संग आएन। उ सबइ सबहि उ पाथर-खम्भा क निअरे क बड़का बृच्छ क लगे बटुर गएन जउन सकेम नगर में रहा अउर उ पचे अबीमेलेक क आपन राजा बनाएन।

योताम क कथा

7 योताम सुनेस कि सकेम क प्रमुख लोग अबीमेलेक क राजा बनाइ दिहेन ह। जब उ सुनेस तउ उ गवा अउर गरिज्जीम पर्वत क चोटी पइ खड़ा भवा। योताम लोगन क इ कथा चिचियाइके सुनाएस।

सकेम क लोग, मोर बात सुना अउ तब आप क बात परमेस्सर सुनी। 8 एक दिन बृच्छ आपन ऊपर हुकूमत करइ बरे एक ठु राजा चुनइ क निर्णय किहन। बृच्छन जइतून क बृच्छ स कहेन, “तू हमरे ऊपर राजा बना।”

9 मुला जइतून क बृच्छ कहेस, “मनई अउ देवता मोर बड़कई मोरे तेल बरे करत ही। का मई जाइके सिरिफ दूसर बृच्छन पइ हुकूमत करइ क बरे आपन तेल बनाउब बन्द कइ देउँ?”

10 तब बृच्छन अंजीर क बृच्छ स कहेन, “आवा अउर हमार राजा बना।”

11 मुला अंजीर क बृच्छ जवाब दिहस, “का मई सिरिफ जाइके दूसर बृच्छन पइ हुकूमत करइ बरे आपन मीठ अउ नीक फल पइदा करब बन्द कइ देब?”

12 तब बृच्छन अंगूर क बेल स कहेन, “आवा अउ हमार राजा बना।”

13मुला अंगूर क बेल जवाब दिहस, “मोर दाखरस मनईयन अउ राजा लोगन क खुस करत ह। का मोका सिरिफ जाइके अउर बृच्छन पइ सासन करइ बरे आपन दाखरस पइदा करब बन्द कइ देइ चाही।”

14आखीर में सबइ बृच्छन कँटैरी झाड़ी स कहने, “आवा अउ हमार राजा बना।”

15किन्तु कँटैरी झाड़ी बृच्छन स कहेस, “जदि तू फुरइ मोका अपने ऊपर राजा बनावइ चाहत ह तउ आवा अउर मोर छाया में आपन सरण बनावा। जदि तू अइसा करइ नाहीं चाहत ह तउ इ कँटैरी झाड़ी स आगी निकरइ द्या, अउर उ आगी क लबानोन, क चीड़ क बृच्छन क भी जराइ देइ द्या।”

16“अब जदि आप अबीमेलिक क आपन राजा बनाइके ठीक करत हीं। अउर जदि आप ओका राजा बनाइके यरूबाल अउर ओकर परिवार बरे निआव संगत अहई, अउर आप यरूबाल क संग उहई बताव करत ह जेका उ हकदार अहइ, तउ इ ठीक अहइ! 17किन्तु तनिक सोचा कि मोर बाप आपन बरे का किहेस ह? मोर बाप आप लोगन बरे लड़ेन। उ पचे आपन जिन्नगी क उ समइ खतरा में डाएन जब उ पचे आपन लोगन क मिद्यानी लोगन स बचाएस। 18किन्तु अब आप लोग मोरे बाप क परिवार क खिलाफ होइ गवा अहई। आप लोग मोरे बाप क सत्तर पूतन क एक पाथर पइ मारेन ह। आप लोग अबीमेलिक क सकेम क राजा बनाएन ह। उ मोरे बाप क दासी क पूत अहइ। आप लोग अबीमेलिक क सिरिफ एह बरे राजा बनाएन ह कि उ आप क रिस्तेदार अहइ। 19एह बरे जदि आज आप लोग यरूबाल अउ ओकरे परिवार क बरे ठीक किहेस ह, तब अबीमेलिक क आपन राजा मानिके आप क खुस होइ चाही अउर ओका भी तोहार संग खुस होइ चाही। 20मुला जदि आप उचित नाही किहेन ह तउ, अबीमेलिक सकेम अउर मिल्लो सहर क सबइ प्रमुखन क नस्ट कइ डाएन। अउर सकेम नगर क अउर मिल्लो नगर क प्रमुखन भी अबीमेलिक क नस्ट कइ डाएन।”

21योताम इ सब कहइ क पाछे भाग खड़ा भवा। उ पराइके बेर नगर में पहुँचा। योताम उ नगर में रहत रहा, काहेकि उ आपन भाई अबीमेलिक स डेरत रहा।

अबीमेलिक सकेम क खिलाफ जुद्ध करत ह

22अबीमेलिक इस्त्राएल क लोगन पइ तीन बरिस तलक हुकूमत किहस। 23-24अबीमेलिक यरूबाल क सत्तर पूतन क मार डाए रहा। उ पचे अबीमेलिक क भाई रहेन। सकेम नगर क प्रमुख लोग ओन भाईयन क मारइ में ओकर मदद किहे रहेन। एह बरे परमेस्सर अबीमेलिक अउ सकेम क प्रमुखन क बीच झगड़ा पइदा कराएस अउ सकेम क प्रमुख लोग अबीमेलिक क नोस्कान पहुँचावइ बरे योजना बनाएन। 25ओन लोग पहाड़ियन क चोटी पइ स जाइवालन पइ हमला करइ अउर ओनकर सब कछू लूटइ बरे डाकू लोगन क किराये पइ राखेस। अबीमेलिक ओन हमलन क बारे में पता लगाएस।

26गाल नाउँ क एक मनई अउर ओकर भाई सकेम नगर क आएन। गाल, एबेद नाउँ क मनई क पूत रहा। सकेम क प्रमुख लोग गाल पइ बिस्सास अउ ओकर अनुसरण करइ क निहचय किहेन।

27एक दिन सकेम क लोग आपन बागन में अंगूर तोड़इ गएन। लोग दाखरस बनावइ बरे अंगूरन क निचोरेन अउर तब उ पचे आपन देवता क मन्दिर पइ एक ठु दावत दिहन। उ पचे खाएन अउ दाखरस पिएन। तब उ पचे अबीमेलिक क अभिसाप दिहेन।

28तब एबेद क पूत गाल कहेस, “हम लोग सकेम क मनई अही। हम अबीमेलिक क आग्या काहे मानी? का उ यरूबाल क पूत नाहीं अहइ? का जबूल ओकर अधिकारी नाहीं अहइ? हम का अबीमेलिक क आग्या नाहीं मानइ चाही। हम का हमोर क लोगन क आग्या मानइ चाही। (हमोर सकेम क पिता रहा।) 29जदि आप मोका एन लोगन क सेनापति बनावत ही तउ मई अबीमेलिक स मुक्ति दियाइ देब। मई ओहसे कहब, ‘आपन फउज क तइयार करा अउर जुद्ध बरे आवा।’”

30जबूल सकेम नगर क राजपाल रहा। जबूल उ सब सुनेस जउन एबेद क पूत गाल कहेस अउर जबूल बहोत कोहाइ गवा। 31जबूल अबीमेलिक क लगे अरूमा नगर* में दूतन क पठएस। सँदसा इ रहा:

एबेद क पूत गाल अउ एकर भाई सकेम नगर में आएन ह अउर तोहरे बरे कठिनाई पइदा करत अहई। गाल पूरे नगर क तोहरे खिलाफ भड़कावत अहइ। 32एह बरे अब तू पचन्क अउर तोहरे पचन्क लोगन क राति में उठइ चाही अउर नगर क बाहेर खेतन में छुपइ चाही। 33जब भिसारे सूरज निकरइ तउ नगर पइ हमला कइ द्या। गाल अउर ओकर मनईयन तोहार संग जुद्ध करइ बरे नगर क बाहेर आइ। जब उ सबइ लोग लड़इ बरे बाहेर आवई तउ तू पचे ओनकर जउन कइ सका, करा।

34एह बरे अबीमेलिक अउर सबहिं फउजी राति क उठेन अउर नगर क गएन। उ सबइ फउजी चार टुकड़िन में बँट गएन। उ पचे सकेम नगर क लगे छुप गएन। 35एबेद क पूत गाल बाहेर निकरिके सकेम नगर क फाटक क प्रवेस दुआर पइ रहा। जब गाल हुआँ खड़ा रहा उहइ समइ अबीमेलिक अउर ओकर फउजी आपन छुपइ क ठउरन स बाहेर आएन।

36गाल फउजियन क लखेस। गाल जबूल स कहेस, “धियान द्या, पर्वतन स लोग खाले उतरत अहई।”

किन्तु जबूल कहेस, “तू सिरिफ पर्वतन क परछाँइयन लखत अहा। परछाँइयन लोगन क तरह देखाइ देत अहई।”

अरूमा नगर या “छिपा भवा” या “तोरमा नगर में” जहाँ अबिमले राजा क रूप में रहेन। इ सकेम स लगभग आठ मील दक्खिन रहा।

37किन्तु गाल फिन कहेस, “लखा, प्रदेस क नाभि नाउँ क ठउरे स लोग बढ़त अहई, अउर जादूगार क बृच्छ क ओर स एक दुसर दल आवति अहइ।” 38तब जबूल ओहसे कहेस, “अब तोहार बड़की-बड़की बातन कहौं गइन, जउन तू कहत रहया, ‘अबीमेलेक कउन होत ह, जेकरी मातहत में हम रहेन?’ का उ सबइ उहइ लोग नाहीं अहई जेनकर तू मसखरी उड़ावत रहया? जा अउर ओनसे लड़ा।”

39एह बरे गाल सकेम क प्रमुखन क अबीमेलेक स जुद्ध करइ बरे लइ गवा। 40अबीमेलेक अउर ओकर फउजियन गाल अउ ओकरे मनइयन क पाछा किहेन। गाल क लोग सकेम नगर क फाटक कँइती स पाछे परानेन। गाल क बहोत स लोग फाटक पइ पहुँचइ स पहिले मार डावा गएन।

41तब अबीमेलेक अरूमा नगर क लउटि गवा। जबूल गाल अउर ओकरे भाइयन क सकेम नगर तजइ क मजबूर किहस।

42अगले दिन सकेम क लोग आपन खेतन में काम करइ क गएन। अबीमेलेक ओकरे बारे में पता लगाएस। 43एह बरे अबीमेलेक आपन फउजियन क तीन टुकड़ियन में बाँटिस। उ सकेम क लोगन पइ अचानक हमला करइ क योजना बनाएस। एह बरे उ आपन मनइयन क खेतन में छुपाएस। जब उ लोगन क नगर स बाहेर आवत लखेस तउ उ टूट पड़ा अउर ओन पइ हमला कइ दिहिस। 44अबीमेलेक अउ ओकर लोग सकेम नगर क फाटक क लगे दौड़िके आएन। दूसर दुइ टुकड़ियन खेत में लोगन क लगे दौड़िके गइन अउर ओनका मारि डाएन। 45अबीमेलेक अउ ओकर फउजी सकेम नगर क संग पूरे दिन लड़ेन। उ पचे सकेम नगर पइ कब्जा कइ लिहेन अउ उ नगर क लोगन क मार डाएन। तब अबीमेलेक उ नगर क बर्बाद किहस अउर उ ध्वंस पइ नोन फेंकवाइ दिहिस।

46कछू लोग सकेम क मीनार क लगे रहत रहेन। जब उ ठउरे क लोग सुनेन कि सकेम का संग का भवा ह तब उ पचे सब स जियादा सुरच्छित उ कमरा में बटुर गएन जउन एलबरीत देवता क मन्दिर रहा।

47अबीमेलेक सुनेस कि सकेम क मीनार क सबहिं प्रमुख एक संग बटुर गएन ह। 48एह बरे अबीमेलेक अउ ओकर सबहिं लोग सलमोन पर्वत प गएन। अबीमेलेक एक तु कुल्हाड़ी लिहस अउर उ कछू डारन क काटेस। उ ओन डारन क आपन काँधन पइ धरेस। तब उ आपन मनइयन स कहेस, “हाली करा, जउन मई किहेउँ ह, उहइ करा।” 49एह बरे ओन लोग डारन क काटेन अउर अबीमेलेक क पाछा किहेन। उ पचे डारन क ढेर एलबरीत देवता क मन्दिर क सब स जियादा सुरच्छित कमरा क लगे लगाएस। तब उ पचे डारन में आगी लगाइ दिहेन अउर कमरा में लोगन क बार डाएन। इ तरह लगभग सकेम क मीनार क निवासी एक हजार मेहरारू-मनसेधू मर गएन।

अबीमेलेक का मउत

50तब अबीमेलेक अउर ओकर मनइयन साथी तेबेस नगर क गएन। उ पचे उ नगर पइ कब्जा कइ लिहेन। 51किन्तु

तेबेस नगर में एक मजबूत मीनार रही। उ नगर क सबहिं मेहरारू-मनसेधू अउ उ नगर क प्रमुख उ मीनार क लगे पराइके पहुँचेन। जब नगर क लोग मीनार क भीतर घुस गएन तउ उ पचे अपने पाछे मीनार क दरवाजा बन्द कइ दिहेन अउ ताला लगाइ दिहेन। तब उ पचे मीनार क छते पइ चढ़ गएन। 52अबीमेलेक अउ ओकर साथी मीनार क लगे ओह पइ हमला करइ बरे पहुँचेन। अबीमेलेक मीनार क दरवाज तलक गवा। उ मीनार क आगी लगावइ चाहत रहा। 53जब अबीमेलेक दूआरे पइ खड़ा रहा, उहइ समइ एक मेहरारू एक तु चक्की क पाथर ओकरे मूँड़े पइ फेंकेस। चक्की क पाथर अबीमेलेक क मूँड़े क चूर-चूर कइ डाएस।

54अबीमेलेक हाली स आपन उ नौकर स कहेस जउन ओकर औजार लइ चलत रहा, “आपन तरवार निकारा अउर मोका मार डावा। मई चाहत हउँ कि तू मोका मार डावा जेहसे लोग इ न कहई कि, ‘एक तु मेहरारू अबीमेलेक क मार डाएस।’” एह बरे उ नौकर आपन तरवार उस के सरीर में घुसेइ दिहस अउर अबीमेलेक मर गवा। 55इस्त्राएल क लोग लखेन कि अबीमेलेक मर गवा। एह बरे उ पचे सबहिं आपन घसन क लउटि गएन।

56इ तरह परमेस्सर अबीमेलेक क ओकर सबहिं कीन्ह गवा पापन खातिर दण्ड दिहस। अबीमेलेक आपन सत्तर भाइयन क मारिके अपने बाप क खिलाफ पाप किहे रहा। 57परमेस्सर सकेम नगर क लोगन क भी ओनके जरिये कीन्ह गए पापन क दण्ड दिहस। इ तरह योताम जउन कहेस, फुरइ भवा। (योताम यरूब्बाल क सब स लहुरा पूत रहा। यरूब्बाल गिदोन रहा।)

निआवाधीस तोला

10 अबीमेलेक क मरइ क पाछे इस्त्राएल क लोगन क बचावइ बरे परमेस्सर क जरिये दूसर निआवाधीस पठवा गवा। उ मनई क नाउँ तोला रहा। तोला पुआ नाउँ क मनई क पूत रहा। पुआ दोवो नाउँ क मनई क पूत रहा। तोला इस्साकार क परिवार समूह क रहा। तोला सामीर नगर में रहत रहा। सामीर नगर एप्रैम क पहाड़ी पहुँटा में रहा। 2तोला इस्त्राएल क लोगन बरे तेईस बरिस तलक निआवाधीस रहा। तब तोला मर गवा अउ सामीर नगर में दफनावा गवा।

निआवाधीस याईर

3तोला क मरइ क पाछे, परमेस्सर क जरिये एक तु अउर निआवाधीस पठवा गवा। उ मनई क नाउँ याईर रहा। याईर गिलाद क पहुँटा में रहत रहा। याईर इस्त्राएल क लोगन क बरे बाईस बरिस तलक निआवाधीस रहा। 4याईर क तीस पूत रहेन। उ सबह तीस पूत तीस गधन पइ सवार होत रहेन। उ सबइ तीस पूत गिलाद छेत्र क तीस नगरन क इन्तजाम करत रहेन। उ सबइ नगर “याईर क सहर” आजु तलक कहा जात हीं। 5याईर मरा अउ कामोन नगर में दफनावा गवा।

अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन क खिलाफ लड़त ही

6तब इस्राएल क लोग फुन उहइ किहेन जउन यहोवा क नज़र में बुरा रहा। उ सबइ बाल देवतन, अउर अस्तारोत, अउर अरामीय सीदोन, मोआब, अम्मोनियन अउर पलिस्तियन क देवतन क पूजा किहेस। इस्राएल क लोगन यहोवा क तजि दिहेन अउर ओकर उपासना अउर सेवा बन्द कइ दिहन।

7एह बरे यहोवा इस्राएल क लोगन पइ कोहान। यहोवा पलिस्तियन अउ अम्मोनियन क ओनका पराजित करइ दिहस। 8उहइ बरिस ओन लोग इस्राएल क ओन लोगन क बर्बाद किहेस जउन गिलाद पहुँटा में यरदन नदी क पूरब में रहत रहेन। इ उहइ भुइँया अहइ जहाँ अमोरियन लोग रह चुका रहेन। इस्राएल क उ सबइ लोग अट्ठारह बरिस तलक कस्ट भोगत रहेन। 9तब अम्मोनी लोग यरदन नदी क पार गएन। उ सबइ लोग यहूदा, बिन्यामीन अउ एप्रैम क लोगन क खिलाफ लड़इ गएन। अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन पइ अनेक बिपत्तियन ढाएन।

10एह बरे इस्राएल क लोग यहोवा क रोइके गोहराएन, “हम लोग, परमेस्सर, तोहरे खिलाफ पाप किहा ह। हम लोग अपने परमेस्सर क तजा अउ बाल क मूरतियन क पूजा कीन्ह।”

11यहोवा इस्राएल क लोगन क जवाब दिहस, “तू लोग मोका तबइ रोइके गोहराया जब मिस्री, एमोरी, अम्मोनी तथा पलिस्ती लोग तोहरे सबन पइ अत्याचार किहेन। मई तू पचन्क एन लोगन स रच्छा करवा। 12तू लोग तबइ चिचियाया जब सीदोन क लोग, अमालेकियन अउ मिद्यानियन तू पचन पइ प्रहार किहेन। मई ओन लोगन स भी तू पचन्क बचाएउँ ह। 13किन्तु तू पचे मोका तजा ह। तू पचे दूसर देवतन क उपासना किहा ह। एह बरे मई तू पचन्क फुन बचावइ स इन्कार करत हउँ। 14तू पचे ओन देवतन क पूजा करब पसन्द करत अहा। एह बरे ओनके निचके मदद खातिर गोहरावइ जा। जब तू पचे विपत्ति में पड़इ तउ उहइ समय ओन देवतन क तू लोगन क रच्छा करइ द्या।”

15किन्तु इस्राएल क लोग यहोवा स कहेन, “हम लोग पाप कीन्ह ह। तू हम पचन्क संग जउन चाहत ह, करा। किन्तु कृपा करके आजु हम लोगन क बचा।” 16तब इस्राएल क लोग अपने लगे क विदेसी देवतन क लोकाइ दिहा। उ पचे फुन स यहोवा क उपासना सुरू किहेन। एह बरे जब यहोवा ओनका कस्ट उठावत लखेस, तब उ ओनके बरे दुःखी भवा।

यिप्तह प्रमुख चुना गवा

17अम्मोनी लोग जुद्ध करइ बरे एक संग बटुरेन, ओनकर डेरा गिलाद पहुँटा में रहा। इस्राएल क लोग एक संग बटुरेन, ओनकर डेरा मिसा नगर में रहा। 18गिलाद छेत्र में रहइवाले लोगन क प्रमुखन कहेन, “अम्मोन क लोगन पइ हमला करइ में जउन मनई हमार अगुआई करी, उहइ मनई, ओन सबहि लोगन क प्रमुख होई जाई जउन गिलाद पहुँटा में रहत ही।”

1 यिप्तह गिलाद क परिवार समूह स रहा। उ एक ताकतवर जोधा रहा। किन्तु यिप्तह एक ठु रण्डी क पूत रहा। ओकर बाप गिलाद नाउँ क मनई रहा। 2गिलाद क मेहरारू क अनेक पूत रहेन। जब उ पचे बड़े भएन तउ उ पचे यिप्तह क पसन्द नाही किहेन। ओन पूतन यिप्तह क आपन जनम क नगर क तजइ बरे मजबूर किहेन। उ पचे ओहसे कहेन, “तू हमरे बाप क दौलत में कछू नाही पाइ सकत अहा। तू दूसर मेहरारू क पूत अहा।” 3एह बरे यिप्तह आपन भाइयन क कारण दूर चला गवा। उ तोब प्रदेस में रहत रहा। तोब प्रदेस में कछू मुल्यहीन लोग यिप्तह क अनुसरण करइ लागेन।

4कछू समइ पाछे अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन स लड़ेन। 5अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन क खिलाफ लड़त रहेन। एह बरे गिलाद प्रदेस क अग्रज (प्रमुख) यिप्तह क लगे आएन। उ पचे चाहत रहेन कि यिप्तह तोब प्रदेस क तजि देइ अउर गिलाद प्रदेस में लउटि आवइ।

6प्रमुखन यिप्तह स कहेन, “आवा, हमार प्रमुख बना, जेहसे हम लोग अम्मोनियन क संग लड़ सकी।”

7मुला यिप्तह गिलाद प्रदेस क अग्रजन स कहेस, “का इ फुरइ नाही कि तू लोग मोहसे घिना करत अहा? तू लोग मोका आपन पिता क घर तजइ बरे मजबूर किहा। एह बरे जब तू पचे विपत्ति में हवा तउ मोरे लगे काहे आवत रह्या?”

8गिलाद प्रदेस क अग्रजन यिप्तह स कहेन, “इहइ कारण अहइ जेहसे हम अब तोहरे लगे आवा अही। कृपा कइके हम लोगन क संग आवा अउर अम्मोनी लोगन क खिलाफ लड़ा। तू ओन सबहि लोगन क सेनापति होब्या जउन गिलाद प्रदेस में रहत ही।”

9तब यिप्तह गिलाद प्रदेस क अग्रजन स कहेस, “जदि तू लोग चाहत अहा कि मई गिलाद क लउटउँ अउर अम्मोनी लोगन क खिलाफ लड़उँ तउ इ बहोत नीक बात अहइ। किन्तु जदि यहोवा मोका विजय पावइ में मदद करइ तउ मई तोहार पचन्क नवा प्रमुख बनब।”

10गिलाद प्रदेस क अग्रजन यिप्तह स कहेन, “हम लोग जउन बातन करत अही, यहोवा उ सबइ सुनत अहइ। हम लोग इ सबइ करइ क प्रतिग्या करत अही जउन तू पचे हमका करइ क कहत रह्या।”

11एह बरे यिप्तह गिलाद क अग्रजन क संग गवा। ओन लोग यिप्तह क आपन प्रमुख तथा आपन फउज क सेनापति बनाएन। यिप्तह मिसा नगर में यहोवा क समन्वा आपन सबहि बातन दोहराएस।

यिप्तह अम्मोनी राजा क लगे सँदेसा पठवत ह

12यिप्तह अम्मोनी राजा क लगे दूतन पठएस। दूतन राजा क इ सँदेसा दिहस: “अम्मोनी अउ इस्राएल क लोगन क बीच समस्या का अहइ? तू हमरे भुइँया में लड़इ बरे काहे आवा अहा?”

13अम्मोनी लोगन क राजा यिप्तह क दूतन स कहेस, “हम लोग इस्राएल क लोगन स एह बरे लड़त अही काहेकि इस्राएल क लोग हमार भुइँया तब लड़ लिहिन जब

उ पचे मिस्त्र स आवा रहेन। उ पचे हमार भुईया अर्नोल नदी स यब्बोक नदी अउ हुवाँ स यरदन नदी तलक लइ लिहने अउ अब इस्राएल क लोगन स कहा कि उ पचे हमार भुईया हम का सात्तिपूर्वक वापस दइ देई।”

14एह बरे यिप्तह क दूतन इ सँदेसा यिप्तह क लगे वापस लइ गवा। तब यिप्तह अम्मोनी लोगन क राजा क लगे फुन दूत पठएस। 15उ पचे इ सँदेसा लइ गएन:

“यिप्तह इ कहत बाटइ। इस्राएल मोआब क लोगन या अम्मोन क लोगन क भुईया नाही लिहस। 16जब इस्राएल क लोग मिस्त्र देस स बाहेर आएन तउ उ पचे मरूभूमि स होइके जात्रा किहेन। उ पचे लाल सागर क गएन। तब उ पचे उ ठउर क गएन जेका कादेस कहा जात ह। 17इस्राएल क लोग एदोम क राजा क लगे दूत पठए रहेन। उ पचे कहे रहेन, “इस्राएल क लोगन क तोहार भुईया स गुजर जाइ दया।” किन्तु एदोम क राजा अपने भुईया स हम लोगन क नाही जाइ दिहस। हम लोग उहइ सँदेसा मोआब क राजा क लगे पठवा। मुला मोआब क राजा भी अपने भुईया स होइके हम लोगन क नाही जाइ दिहस। एह बरे इस्राएल क लोग कादेस में ठहरा रहेन।

18तब इस्राएल क लोग मरूभूमि स होइके गएन अउर एदोम प्रदेश तथा मोआब भुईया क छोरन क चारिहुँ कइँती चक्कर काटत रहेन। इस्राएल क लोग मोआब भुईया क पूरब क तरफ स जात्रा किहेन। उ पचे आपन डेरा अर्नोन नदी क दूसर कइँती डाएन। उ पचे मोआब क चउहद्दी क पार नाही किहेन। (अर्नोन नदी मोआब क भुईया क सीमा रही।)

19तब इस्राएल क लोग एमोरी लोगन क राजा सीहोन क लगे दूत पठएन। सीहोन हेस्बोन नगर क राजा रहा। दूत लोग सीहोन स माँग किहेन, “इस्राएल क लोगन क अपने भुईया स गुजर जाइ दया। हम लोग अपने भुईया में जाइ चाहित ह।” 20किन्तु एमोरी लोगन क राजा सीहोन इस्राएल क लोगन क आपन चउहद्दी पार नाही करइ दिहस। सीहोन आपन सबहिँ लोगन क बटोरिस अउर यहस पइ आपन डेरा डाएस। तब एमोरी लोग इस्राएल क लोगन क संग लड़ेन। 21किन्तु यहोवा इस्राएल क लोगन क परमेस्सर, इस्राएल क लोगन क मदद, सीहोन अउ ओकर फउज क हराइवइ मैं, किहस। एमोरी लोगन क सारी भुईया इस्राएल क लोगन क सम्पत्ति बन गइ। 22इ तरह इस्राएल क लोग एमोरी लोगन क सारा भुईया पाएस। इ अर्नोन नदी स यब्बोक नदी तलक फइला रहा। इ भुईया मरूभूमि स यरदन नदी तलक भी फइला रहा।

23इ यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर रहा जउन एमोरी लोगन क आपन देस तजइ बरे बलपूर्वक मजबूर किहस अउर यहोवा उ प्रदेश इस्राएल क लोगन क दिहस। का तू पचे सोचत अहा कि तू पचे इस्राएल क लोगन स इ छोड़वाइ देव्या? 24निहचइ ही, तू पचे उ भुईया में रहि सकत ह जेका तोहार पचन्क देवता

कमोस तोहका पचन्क दिहस ह। एह बरे हम लोग उ भुईया में रहब, जेका यहोवा, हमार परमेस्सर हमका दिहस ह। 25का तू पचे सिप्पोर नाउँ क मनई क पूत बालाक स जियादा नीक अहा? उ मोआब क राजा रहा। का उ इस्राएल क लोगन स बहस किहस? का उ कबहुँ इस्राएल क लोगन स लड़ा? 26इस्राएल क लोग हेस्बोन अउ ओकर चारिहुँ ओर क सहरन में, अरोएर अउर ओकर चारिहुँ कइँती क सहर अउर अर्नोन नदी क किनारे क सबइ सहरन में तीन सौ बरिस तलक रहि चुकेन ह। तू एन नगरन क उहइ समय पर वापिस लेइ क जतन काहे नाही किहेन? 27मई तोहार खिलाफ कउनो पाप नाही किहेन ह। किन्तु तू मोर खिलाफ बहोत बुरा अहा। यहोवा क, जउन सच्चा निआवाधीस अहइ, निहचइ करइ दया कि इस्राएल क लोग ठीक राहे पइ अहई या अम्मोनी लोग।

28अम्मोनी लोगन क राजा यिप्तह इ सँदेसा क अनसुना किहस।

यिप्तह क प्रतिग्या

29तब यहोवा क आतिमा यिप्तह पइ उतर आएस। यिप्तह गिलाद अउर मनस्से क भुईया स गुजरा। उ गिलाद भुईया में मिस्से नगर क गवा। गिलाद भुईया में मिस्से नगर क पार करत भवा यिप्तह, अम्मोनी लोगन क भुईया में गवा।

30यिप्तह यहोवा क बचन दिहस। उ कहेस, “जदि तू एमोरी लोगन क मोका हरावइ देत ह, 31तउ मई उ पहिली जीवित चीज क तोहका भेंट करव जउन मोर विजय स लउटइ क समइ मोरे घर स बाहेर आइ। मई एका यहोवा क होमबलि क रूप मैं देब।”

32तब यिप्तह अम्मोनी लोगन क भुईया में गवा। यिप्तह अम्मोनी लोगन स लड़ा। यहोवा अम्मोनी लोगन क हरावइ मैं ओकर मदद किहस। 33उ ओनका अरोएर नगर स मिन्नीत क छेत्र क छोर तलक हराएस। यिप्तह बीस नगरन पइ कब्जा किहस। उ अम्मोनी लोगन स आबेलकरामीम नगर तलक जुद्ध किहस। इ अम्मोनी लोगन बरे बड़की हार रही। अम्मोनी लोग इस्राएल क लोगन क जरिये हराइ दीन्ह गएन।

34यिप्तह मिसपा क लउटा अउर अपने घरे गवा। ओकर बिटिया आपन घरे स बाहेर ओहसे भेटइ बरे आएन। उ एक तम्बूरा बजावत रही अउर नाचत रही। उ ओकर एकलउटी बिटिया रही। यिप्तह ओसे बहोत पियार करत रहा। ओका लगे कउनो दूसर बिटिया या पूत नाही रहेन। 35जब यिप्तह लखेस कि पहिली जिबित चीज ओकर बिटिया ही रही, जउन ओकर घर स बाहेर आइ तब उ दुःख क परगट करइ बरे आपन ओढ़ना फारि डाएस अउर इ कहेस, “आह! मोर बिटिया तू मोका बर्बाद कइ दिहा। तू मोका बहोत दुःखी कइ दिहा। मई यहोवा क बचन दिहे रहेउँ, मई ओका वापिस नाही लइ सकत।”

36तब ओकर बिटिया यिप्तह स कहेस, “बाप, आप यहोवा स प्रतिग्या किहा ह। एह बरे उहइ करा जउन आप करइ क प्रतिग्या किहा ह। तू मोर संग उहइ करा जउन

प्रतिग्या तू यहोवा स किहा ह। आखीर में यहोवा आपका दुस्मनन, अम्मोनी लोगन क हरावड़ में तोहार मदद किहस ह।”

37तब ओकर बिटिया अपने बाप यिप्तह स कहेस, “किन्तु मोरे बरे पहिले एक तु काम करा। दुइ महीने तलक मोका अकेली रहइ द्या। मोका पहाड़न पड़जाइ द्या। जइसा कि मई बियाह नाही करब, नाही कउनो बच्चा क जनम देब। मोका अउर मोरी सहेलियन क एक संग जाइ अउर एक संग रोवइ क अनुमति द्या।”

38यिप्तह कहेस, “जा अउर वइसा ही करा,” यिप्तह ओका दुइ महीने तलक पठइ दिहस। यिप्तह क बिटिया अउर ओकर सहेलियन पहाड़न में रहिन। उ पचे ओकरे बरे रोएन अउर चिचियानेन, काहेकि उ न बियाह करी अउर न ही बच्चन पड़दा करी।

39दुइ महीने क पाछे यिप्तह क बिटिया आपन पिता क लगे लउटी। यिप्तह उहइ किहस जउन उ यहोवा स प्रतिग्या किहे रहा। यिप्तह क बिटिया एक कुवाँरी रही। ओकर कउनो क संग कउनो सरिरे क सम्बन्ध नाही रहा। एह बरे इस्त्राएल में इ रिवाज बन गवा। 40इस्त्राएल क मेहररूअन हर बरिस गिलाद क यिप्तह क बिटिया क याद करत रहिन। मेहररूअन यिप्तह क बिटिया बरे हर एक बरिस चार दिन तलक रोवत रहिन।

यिप्तह अउर एप्रैम

12 एप्रैम क परिवार समूह क लोग आपन फउजियन क बटोरेन। तब उ पचे नदी पार कइके सापोन नगर गएन। उ पचे यिप्तह स कहेन, “तू हम लोगन क अम्मोनी लोगन क बिरोध में जुद्ध करइ बरे काहे नाही बोलाया? हम लोग तोहका अउर तोहरे घरे क बार देब।”

2यिप्तह ओनका जवाब दिहस, “अम्मोनी लोग हम लोगन बरे अनेक समस्या पड़दा करत अहइँ। एह बरे मई अउर हमार लोग ओनके खिलाफ लड़ेन। मई तू लोगन क बोलाएँ, किन्तु तू लोग हम लोगन क मदद करइ नाही आया। 3मई लखेँ कि तू लोग मदद नाही करब्या। एह बरे मई आपन जिन्गी खतरा में डाएँ। मई अम्मोनी लोगन स लड़इ बरे नदी क पार गएँ। यहोवा ओनका हरावड़ में मोर मदद किहस। अब आजु तू मोरे खिलाफ लड़इ बरे काहे आया ह?”

4तब यिप्तह गिलाद क मनईयन क एक संग बोलाएँ। उ पचे एप्रैम क परिवार समूह क लोगन क संग लड़ेन। उ पचे एप्रैम क लोगन क संग एह बरे लड़ेन, काहेकि ओन लोग गिलाद क मनईयन क अपमान किहे रहेन। उ पचे कहे रहेन, “गिलाद क लोगो, तू लोग एप्रैम परिवार क बचे भाए लोगन क अलावा दूसर कछू नाही अहा। तू लोगन क लगे आपन भुइँया भी नाही अहइ। तू लोगन क एक तु हीसा एप्रैम में स अहइ तथा दूसर हीसा मनस्से में स अहइ।” गिलाद क लोग एप्रैम क लोगन क हराएन।

5गिलाद क लोग यरदन नदी क घाटन क कब्जा कइ लिहिन। उ सबइ घाटन एप्रैम प्रदेस तलक लइ जात रहेन। जब कबहुँ भी एप्रैम स बचा भवा जउन कउनो भी नदी पड़

आवत, अउर कहत, “मोका नदी पार करइ द्या” तउ गिलाद क लोग ओहसे पूछतेन, “का तू एप्रैम में स अहा?” जदि उ “नाही” कहत तउ, 6उ पचे कहतेन, ‘शिब्बोलेत’ सब्द क उच्चारण करा।” एप्रैम क लोग उ सब्द क सुद्ध उच्चारण नाही कइ सकत रहेन। उ पचे ओका “शिब्बोलेत” सब्द उच्चारण करते रहेन। जदि एप्रैम में स बचा मनई “शिब्बोलेत” क उच्चारण करत तउ गिलाद क लोग ओका घाटे पड़ ही मार देत रहेन। इ तरह उ समइ एप्रैम में स 42,000 मनई मारा ग रहेन।

7यिप्तह इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस छः बरिस तलक रहा। तब गिलाद क निवासी यिप्तह मर गवा। ओका गिलाद में ओकर आपन नगर में दफनावा गवा।

निआवाधीस इबसान

8यिप्तह क मरइ क पाछे इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस इबसान नाँउ क मनई भवा। इबसान बेतलेहेम नगर क निवासी रहा। 9इबसान क तीस पूत अउ तीस बिटियन रहिन। उ अइसी तीस मेहररूअन आपन पूतन क संग बियाही बरे लिआवा, जउन ओकर रिस्तेदार नाही रहिन। इबसान इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस सात बरिस तलक रहा। 10तब इबसान मर गवा। उ बेतलेहेम नगर में दफनावा गवा।

निआवाधीस एलोन

11इबसान क मरइ क पाछे इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस एलोन नाँउ क मनई भवा। एलोन जबूलून क परिवार समूह स रहा। उ दस बरस तक इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस रहा। 12तब जबूलून क परिवार समूह क मनई एलोन मर गवा। उ जबूलून क भुइँया में अय्यालोन नगर में दफनावा गवा।

निआवाधीस अब्दोन

13एलोन क मरइ क पाछे इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस अब्दोन नाँउ क मनई भवा। अब्दोन हिल्लेल नाँउ क मनई क पूत रहा। अब्दोन पिरातोन नगर क निवासी रहा। 14अब्दोन क चालीस पूत अउ तीस पोता रहेन। उ सबइ सतर गधन पड़ सवार होत रहेन। अब्दोन इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस आठ बरिस तलक रहा। 15तब हिल्लेल क पूत अब्दोन मर गवा। उ पिरातोन नगर में दफनावा गवा। पिरातोन एप्रैम भुइँया में अहइ। इ उ पहाड़ी देस अहइ जहाँ अमालेकी लोग रहत रहेन।

सिमसोन क जनम

13 फुन इस्त्राएल क लोग उहइ कार्य किहेन जुन यहोवा क नज़र में बुरा रहा। एह बरे यहोवा पलिस्ती लोगन क ओन पड़ चालीस बरिस तलक सासन करइ दिहस।

2एक मनई सोरा नगर क निवासी रहा। उ मनई क नाँउ मानोह रहा। उ दान क परिवार समूह स रहा। मनोह क एक तु मेहरारू रही। मुला उ कउनो संतान पड़दा नाही कइ

सकत रही। 3यहोवा क सरगदूत मानोह क मेहरारू क समन्वा परगट भवा अउर उ कहेस, “तू सन्तान उत्पन्न नाही कइ सकत अहा। मुला तू गर्भ धारण करबिउ अउर तोहका एक ठु पूत होइ। 4तू दाखरस या कउनो नसीली पिअइ क चीज जिन पिआ। कउनो भी असुद्ध भोजन* क न खा। 5काहेकि तू फुरइ गर्भ धारण करबिउ अउर तोहका एक ठु पूत होइ। परमेस्सर बरे एक खास रूप में समर्पित होइ। उ एक नाज़ीर* होइ। एह बरे तोहका ओकरे बाल कबहुँ नाही काटइ चाही। उ पइदा होइ स पहिले परमेस्सर क मनई होइ। उ इस्राएल क लोगन क पलिस्ती लोगन क सकती स अजाद कराई।”

6तब उ मेहरारू आपन भतार क लगे गइ अउर जउन कछू भवा रहा, बताएस। उ कहेस, “परमेस्सर क निअरे स एक ठु मनई मोरे लगे आवा। उ परमेस्सर क एक सरगदूत क तरह मालूम होत रहा। उ बहोतइ अद्भुत देखाइ पड़त रहा अउर मई डेराइ गइ रही। मई ओहसे इ नाही पूछेउँ कि, तू कहाँ स आवा अहा। उ मोका आपन नाउँ नाही बताएस। 7मुला उ मोसे कहेस, ‘तू गर्भ धारण करे अहा अउर तोहका एक ठु पूत होइ। कउनो दाखरस या नसीली चीज पिअइ क जिन पिआ। कउनो असुद्ध खइया जिन खा, काहेकि उ गदेल बिसेस रूप स परमेस्सर क समर्पित होइ। उ लइका जनम क पहिले स लइके मरइ क दिन तलक परमेस्सर क नाज़ीरी होइ।”

8तब मानोह यहोवा स पराथना किहेस, “हे यहोवा, मई तोहसे पराथना करत हउँ कि तू परमेस्सर क मनई क हम लोगन क लगे फिन भेजा। हम चाहित ह कि उ हमका सिखावइ कि हम लोगन क हिअँ जउन बहोत हाली ही जनम लेइवाले गदेलन अहइ ओकरे संग हमका का करइ चाही?”

9परमेस्सर मानोह क पराथना सुनेस। परमेस्सर क सरगदूत फुन उ मेहरारू क लगे, तब आता जब व खेते में बइठी रही। किन्तु ओकर भतार मानोह ओकरे संग नाही रहा। 10एह बरे उ मेहरारू आपन भतारे स इ कहइ खातिर दउड़ी, “उ मनई लउटा ह। जउन मनई दूसर दिना मोरे लगे आवा रहा, उ हिअँ अहइ।”

11मानोह उठा अउर आपन मेहरारू क पाछे चला। जब उ उ मनई क लगे पहुँचा तउ उ कहेस, “का तू उहइ मनई अहा जउन मोर मेहरारू स बातन किहे रही।”

सरगदूत कहेस, “मई ही अहउँ।”

12एह बरे मानोह कहेस, “मोका आसा अहइ कि जउन तू कहत अहा उ होइ। इ बतावा कि उ लइका कैसी जिन्गी बिताइ? उ का करब?”

13यहोवा क सरगदूत मानोह स कहेस, “तोहार मेहरारू क उ सब आदेस क पालन करइ चाही, जउन मई ओका करइ क कहेउँ ह। 14ओका अंगूर क बेल पइ उगी कउनो

असुद्ध भोजन “जउन स्वीकार नाही कीन्ह जा सके” सुद्ध नाही अउर परमेस्सर क आराधना बरे प्रयोग नाही कीन्ह जाइ सकी। लखा लेवी. 11-15 पराना नेम सुद्ध असुद्ध क बारे में जानइ बरे।

नाज़ीर एक मनई जउन परमेस्सर क संग बिसेस वाचा करत ह। नाज़ीर क वाचा क विधि बरे लखा गन्ती 6:1-21

चीज नाही खाइ चाही। ओका दाखरस या कउनो नसीली पिअइ क चीज नाही पिअइ चाही। ओका कउनो ऐसे खइया क नाही खाइ चाही जउन असुद्ध होइ। ओका उ सब करइ चाही, जउन करइ क आदेस मई दिहे अहउँ।”

15तब मानोह यहोवा क सरगदूत स कहेस, “हम इ चाहित ह कि तू तनिक देर अउर रूका। हम लोग तोहरे भोजन बरे नया बोकरा पकाउब चाहत ही।”

16तब यहोवा क सरगदूत मानोह स कहेस, “जदि तू हिअँ स जाइ स मोका रोकब्या तउ भी मई तोहार खइया नाही खाउब। किन्तु जदि तू कछू तइयार करइ चाहत अहा तउ यहोवा क होमबलि द्या। मानोह नाही समुझेस कि उ मनई फुरइ यहोवा क सरगदूत रहा।

17तब मानोह यहोवा क सरगदूत स कहेस, “तोहार नाउँ का अहइ? हम लोग एह बरे जानइ चाहित ह कि हम तोहार सम्मान तब करि सकब, जब तोहार वचन सच्च होब्या।”

18यहोवा क सरगदूत मानोह स कहेस, “तू मोर नाउँ काहे पूछत अहा? इ अद्भुत अहइ।”*

19तब मानोह चट्टाने पइ एक ठु बोकरा क बलि दिहस। उ यहोवा क कछू अन्न भी भेंट क रूप में दिहस। अउर जब मनोह अउर ओकर पत्नी देखत रहेन तउ उ एक अद्भुत काम किहस। 20जइसी आगी क लपटन वेदी स अकास तलक उठिन, वइसे ही यहोवा क सरगदूत आगी में स आकास क चला गवा। जब मानोह अउ ओकर मेहरारू इ लखेन तउ उ पचे धरती पइ भहराइ गएन। उ पचे अपने मूँडे क धरती स लगाएन। 21मानोह अन्त में समुझेस कि उ मनई फुरइ यहोवा क दूत रहा। यहोवा क सरगदूत फुन मानोह अउर ओकरे पत्नी क समन्वा परगट नाही भवा। 22मानोह कहेस, “हम लोग परमेस्सर क लखे अही! निहचइ ही इ कारण स हम लोग मरबा।”

23लेकिन ओकर मेहरारू ओहसे कहेस, “यहोवा हम लोगन क मारइ नाही चाहत। जदि यहोवा हम लोगन क मारइ चाहत तउ उ हम लोगन क होमबलि अउर अन्नबलि अंगीकार न करत। उ हम लोगन क उ सब न देखाए होत, अउर हम लोगन स इ सबइ बातन न कहे होत।”

24एह बरे मेहरारू क एक ठु पूत भवा। उ ओकर नाउँ सिमसोन धरेस। सिमसोन बड़ा भवा अउर यहोवा ओका आसीर्वाद दिहेस। 25यहोवा क अतिमा सिमसोन क हिलाना डोलाना सुरू किहेस, जब उ महेनेदान नगर में रहत रहा। उ नगर सोरा अउ एसताओल नगर क बीच अहइ।

सिमसोन क बियाह

14 सिमसोन तिम्ना नगर क गवा। उ हुवाँ एक ठु पलिस्ती जुवती क लखेस। 2जब उ वापस लउटा तउ उ आपन महतारी बाप स कहेस, “मई एक पलिस्ती लइकी क तिम्ना में लखेउँ ह। मई चाहत हउँ तू ओका मोरे बरे लिआवा। मई ओहसे बियाह करइ चाहत हउँ।”

इ अद्भुत अहइ इ सब्द क अरथ अहइ “अद्भुत”, “आस्चर्यजनक” इ एक नाउँ क जइसा अहइ, अरथात “आस्चर्यजनक सलाहकार” लखा यसायाह 9:6

3ओकर बाप अउ महतारी जवाब दिहेन, “निहचय ही हमार सम्बंधियन में या हमार लोगन में स एक लड़की अहइ जेहसे तू बियाह कइ सकत ह। का तू पलिस्ती लोगन में स एक ठु लड़की स बियाह करब्या? पलिस्ती लोगन में स कउनो क भी खतना नाहीं भएस ह।”

किन्तु सिमसोन कहेस, “मोरे खातिर उहइ लड़की लिआवा। मई ओका ही चाहत हउँ।” 4(सिमसोन क महतारी-बाप नाहीं समझत रहेन कि यहोवा अइसा ही होइ देइ चाहत ह। यहोवा एक पलिस्ती लोगन क खिलाफ जाई बरे कारण खोजइ चाहत रहा। उ समइ पलिस्ती लोग इस्त्राएल क लोगन पइ हुकूमत करत रहेन।)

5सिमसोन आपन महतारी-बाप क संग तिमना नगर क गवा। उ पचे नगर क निचके अंगूर क खेतन तलक पहुँचन। उ ठउरे पइ एक ठु जवान सेर गरज उठा अउर सिमसोन पइ कूदा। 6यहोवा क आतिमा क बड़की ताकत स सिमसोन पइ उतरी। उ अपने खाली हाथन स सेर क चीर डाएस। इ ओकरे बरे सहल मालूम भवा। इ वइसा सहल मालूम भवा जइसा एक ठु बोकरी क बच्चा क चीरब। किन्तु सिमसोन आपन महतारी-बाप क नाहीं बताएस कि उ का किहेस ह।

7एह बरे सिमसोन नगर में गवा अउ पलिस्ती लड़की स बातन किहेस। उ ओका खुस किहेस। 8कईउ दिना पाछे सिमसोन उ पलिस्ती लड़की क संग बियाह करइ वापस आवा। आवत समइ रास्ता में मरा सेर क लखइ गवा। उ मरे सेर क तने में मधुमक्खिन क एक ठु छत्ता पाएस। उ सबइ कछू सहद तइयार कइ लिहे रहिन। 9सिमसोन अपने हाथे स कछू सहद निकारेस। उ सहद चाटत भवा रास्ते पइ चल पड़ा। जब उ आपन महतारी-बाप क लगे आवा तउ उ ओनका कछू सहद दिहस। उ पचे भी ओका खाएन किन्तु सिमसोन अपने महतारी-बाप क नाहीं बताएस कि उ मरे सेर क तने स सहद लिहस ह।

10सिमसोन क बाप पलिस्ती लड़की क लखइ गवा। दूल्हे बरे इ रिवाज रहा कि ओका एक दावत देब होत ह। एह बरे सिमसोन दावत दिहेस। 11जब लोग लखेन कि उ एक ठु दावत देत अहइ तउ उ पचे ओकरे संग तीस मनई पठएन।

12तब सिमसोन ओन तीस मनइयन स कहेस, “मई तू पचन्क एक ठु पहेली सुनावइ चाहत हउँ। मोर दावत सात दिन तलक चली। उ समइ ही जवाब हेरइ क कोसिस कर्या। जदि तू पचे पहेली क जवाब उ समइ क अन्दर दइ सक्या तउ मई तू पचन्क तीस ठु सूती कमीजन, तीस ओढ़नन क जोड़ा देब। 13किन्तु जदि तू पचे एकर जवाब न निकारि सक्या तउ तू पचन्क तीस सूती कमीजन अउ तीस जोड़ी ओढ़नन मोका देइ क होइ।” एह बरे तीस मनइयन कहेन, “पहिले आपन पहेली सुनावा, हम एका सुनइ चाहित ह।”

14सिमसोन इ पहेली सुनाएस:

खाइवालन में स कछू खाइ क चीज। अउर ताकतवर में स कछू मधुर चीज निकरेस।

एह बरे तीस मनइयन तीन दिना तलक एकर जवाब हेरइ क जतन किहेन, किन्तु उ पचे कउनो जवाब न पाइ सकेन।

15चउथे दिन* उ सबइ मनई सिमसोन क मेहरारू क निचके आएन। उ पचे कहेन, “का तू हम पचन्क गरीब बनावइ खातिर हिआँ हम क बोलाया ह? तू अपने भतार क, हम लोगन क पहेली क जवाब देइ बरे फुसलावा। जदि तू हम लोगन बरे जवाब नाहीं निकारतित तउ हम लोग तोहका अउर तोहरे बाप क घरे में रहइवालन सबहिँ लोगन क बार देब।”

16एह बरे सिमसोन क मेहरारू ओकरे लगे गइ अउर रोवइ-चिचियाइ लाग। उ कहेस, “तू मोहसे सिर्फ घिना करत अहा। तू मोहसे सच्चा पियरेम नाहीं करत अहा। तू मोरे लोगन क एक ठु पहेली सुनाया ह अउर तू ओकर जवाब मोका नाहीं बताइ सकत्या।”

सिमसोन जवाब दिहेस, “किन्तु मैं आपन माता-पिता क भी नहीं बताएस, तउ फिर मोका इ तोहका काहे बताइ चाही।”

17सिमसोन क मेहरारू दावत क आखिर सात दिना तलक रोवत चिचियात रही। एह बरे आखिर मैं उ सतएँ दिन पहेली क जवाब ओका दिहस। उ बताइ दिहस काहेकि उ ओका बराबर परेसान करत रही। तब उ आपन लोगन क बीच गइ अउर ओनका पहेली क जवाब दइ दिहस।

18इ तरह दावत वाले सतएँ दिन सूरज बूड़इ स पहिले पलिस्ती लोगन क लगे पहेली क जवाब रहा। उ पचे सिमसोन क लगे आएन अउर उ पचे कहेन,

“सहद स मीठ का बाटइ? सेर स ताकतवर कउन अहइ?”

तब सिमसोन ओनसे कहेस,

“जदि तू पचे मोरी गइया क न जोते होत्या तउ, मोरी पहेली क जवाब नाहीं निकार पाए होत्या।”

19सिमसोन बहोतइ कोहाइ गवा। यहोवा क आतिमा ओकरे ऊपर बड़की ताकत क संग आइ। उ आस्कलोन नगर क गवा। उ नगर में उ ओनकर तीस पलिस्तीय मनइयन क मारेस। तब उ ल्हासन स सारे ओढ़नन अउ सारी दौलत लिहस। उ ओन ओढ़नन क लइके लउटा अउर ओन मनइयन क दिहस, जउन पहेली क जवाब दिहे रहेन। तब उ आपन बाप क घर लउटा। 20सिमसोन आपन मेहरारू क नाहीं लइ गवा। बियाह समारोह में हाजिर सब स नीक मनई ओका रख लिहस।

सिमसोन पलिस्तीयन बरे बिपत्ति पइदा करत ह

15 गोहूँ क फसल तइयार होइ क समइ सिमसोन अपनी मेहरारू स भेंटइ गवा। उ आपन संग उपहार में एक ठु बोकरी क बच्चा लइ गवा। उ कहेस, “मई अपनी मेहरारू क कमरा में जात अहउँ।”

किन्तु ओकर बाप ओका अन्दर नाहीं जाइ देइ चाहत रहा। 2ओकर बाप सिमसोन स कहेस, “मई सोचेउँ कि तू

चउथे दिन इ पराचीन ग्रीक रूपान्तरन स लीन्ह गवा ह। हिब्रू में इ “सात दिन” रहा।

फुरइ अपनी मेहरारू स घिना करत अहा एह बरे बियाह में सामिल सब स जियादा नीक मनई क मई ओका मेहरारू क रूप में दइ दिहेउँ। ओकर नान्ह बहिन ओहसे जियादा सुन्नर अहइ। ओकर छोटकी बहिन क लइ ल्या।”

3किन्तु सिमसोन ओहसे कहेस, “तू पलिस्ती लोगन पइ प्रहार करइ क मोरे लगे अब उचित कारण बाटइ। अब कउनो मोका दोखी नाही बताई।”

4सिमसोन बाहेर निकारेस अउर तीन सौ लोखरियन क धरेस। उ दुइ लोखरियन क एक दाई एक संग लिहस अउर ओनकर जोड़ा बनावइ बरे ओनकर पूँछ एक संग बाँध दिहस। तब उ लोखरियन क हर जोड़न क पूँछन क बीच एक-एक मसाल बाँधिस। 5सिमसोन लोखरियन क पूँछ क बीच क मसालन क बारेस। तब उ पलिस्ती लोगन क खेतन में लोखरियन क छोड़ दिहस। इ तरह उ ओनकर खड़ी फसलन अउर ओनकर अनाज क ढेरन क बार दिहस। उ ओनकर अंगूरे क खेतन अउर जइतून क बृच्छन क भी बार डाएस।

6पलिस्ती लोग पूछेन, “इ कउन किहस?”

कउनो ओनसे कहेस, “तिम्ना क मनई क दामाद सिमसोन इ किहस ह। उ इ एह बरे किहस कि ओकर ससुर सिमसोन क मेहरारू क ओकरे बियाह क समइ हाजिर सब स नीक मनई क दइ दिहस।” एह बरे पलिस्ती सिमसोन क मेहरारू अउ ओकरे ससुर क बारिके मार डाएन।

7तब सिमसोन पलिस्ती क लोगन स कहेस, “तू लोग इ बुरा किहा। एह बरे मई तू लोगन पइ प्रहार करब। मई तब तलक नाही रूकब जब तक तू लोगन स मई आपन बदला नाही लेइ लउब!”

8तब सिमसोन पलिस्ती लोगन पइ हमला किहस। उ ओनमाँ स बहोतन क मार डाएस। तब उ गवा अउर एक ठु गुफा में ठहरा। उ गुफा ‘एताम क चट्टान’ नाँउ क ठउरे पइ रही।

9तब पलिस्ती लोग यहूदा क भुइँया में गएन। उ पचे लही नाउँ क ठउरे पाइ रूकेन। ओनकर फउज हुवाँ डेरा डाएस अउर जुद्ध बरे तइयारी किहस। 10यहूदा परिवार समूह क लोग ओनसे पूछेस, “तू पलिस्तीयो, हम लोगन स जुद्ध करइ काहे आया ह?”

उ पचे जवाब दिहन, “हम लोग सिमसोन क धरइ आए अही। हम लोग ओका आपन बन्दी बनावइ चाहित ह। हम लोग ओका ओकर बदला चुकावइ चाहित ह जउन उ हमरे लोगन क संग किहस ह।”

11तब यहूदा परिवार समूह क तीन हजार मनई सिमसोन क लगे गएन। उ पचे एताम क चट्टान क लगे क गुफा में गएन। उ पचे ओहसे कहेन, “तू हम लोगन बरे का किहस ह? का तोहका पता नाही अहइ कि पलिस्ती लोग, हम पइ सासन करत हीं?”

सिमसोन जवाब दिहस, “उ पचे मोरे संग जउन किहेन ओकर मई बदला दिहेउँ।”

12तब उ पचे सिमसोन स कहेन, “हम तोहका बन्दी बनावइ आए अही। हम लोग तोहका पलिस्ती लोगन क दइ देब।”

सिमसोन यहूदा क लोगन स कहेस, “प्रतिग्या करा कि तू लोग खुद मोह पइ प्रहार नाही करब्बा।”

13तब यहूदा क मनइयन कहेन, “हम अंगीकार करित ह। हम लोग सिरिफ तोहका बाँधब अउर तोहका पलिस्ती लोगन क दइ देब। हम प्रतिग्या करित ह कि हम तोहका जान स न मारब।” एह बरे उ पचे सिमसोन क दुइ नवी रस्सियन स बाँधा। उ पचे ओका चट्टान क गुफा स बाहर लइ गएन।

14जब सिमसोन लही नाउँ क ठउरे पई पहाँचा तउ पलिस्ती लोग ओहसे मिलइ आएन। उ पचे खुसी स सोर मचावत रहेन। तब यहोवा क आतिमा बड़की ताकत स सिमसोन में आएस। ओकरे ऊपरे क लसुरियन अइसी कमजोर होइ गइन अइसे माना उ सबइ जल गइ होई। वासुरियन ओकर हाथन स अइसे गिरिन माना उ सबइ गल गइ होई। 15सिमसोन क उ गद्धा क जबड़ा क हाइ मिला जउन मरा पड़ा रहा। उ जबड़ा क हाइ लिहस अउर ओहसे एक हजार पलिस्ती लोगन क मार डाएस। 16तब सिमसोन कहेस,

एक ठु गद्धा क जबड़ा क हाइ, स मई एक हजार मनइयन क मार दिहेउँ ह। एक ठु गद्धा क जबड़ा क हाइ स मई ओनकर ल्हासन क एक ठु ऊँचा ढेर लगाइ दिहेउँ ह।

17जब सिमसोन बोलब खतम किहेस तब उ जबड़ा क हाइ क लोकाइ दिहस। एह बरे उ ठउरे क नाउँ रामत लही पड़ा। 18सिमसोन क बहोत पिआस लाग। एह बरे उ यहोवा क गोहराएस। उ कहेस, “मई तोहार सेवक हउँ। तू मोका इ बहोत बड़की विजय दिहा ह। का अब मोका पिआस स मरब पड़ी? का मोका ओनसे धरा जाइ क होइ जेनकर खतना नाही भवा ह?”

19लही में धरती में एक ठु छेद रहा परमेस्सर एका खोलेस अउर पानी बाहेर आइ गवा। सिमसोन पानी पिएस अउर सुसताएस अउर उसने फिर से सक्ति अनुभव किहेस। एह बरे उ पानी क सोते क नाउँ एनहक्कोरे रखेस। इ सब तलक आजु भी लही नगर में बाटइ। 20इ तरह सिमसोन इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस बीस बरिस तलक रहा। उ पलिस्ती लोगन क समइ में रहा।

सिमसोन अज्जा नगर क जात ह

16 एक दिन सिमसोन अज्जा नगर क गवा। उ हुवाँ एक ठु रण्डी क लखेस। उ ओकरे संग रात बितावइ बरे भीतर गवा। 2कउनो अज्जा क लोगन स कहेस, “सिमसोन हिआँ आवा ह।” उ पचे ओका जान स मार डावा चाहत रहेन। एह बरे उ पचे नगर क घेर लिहन। उ पचे छुपा रहेन अउर उ पचे नगर दुआर क लगे छुप गएन अउर सारी रात सिमसोन क प्रतीच्छा किहन। उ पचे पूरी रात एकदम चुप रहेन। उ पचे आपुस में कहेन, “जब भिंसार होइ, हम लोग सिमसोन क मार डाउब।”

3किन्तु सिमसोन रण्डी क संग आधी राति तलक ही रहा। सिमसोन आधी राति में उठा अउर नगर क फाटक क

कैवाड़न क धड़ लिहस अउर उ ओनका खीचिके देवार स अलग कइ दिहस। सिमसोन कैवाड़न, दुइ खड़ी चउखटन अउर अबेड़न क जउन कैवाड़ क बन्द करत रहिन, धड़के अलग उखाड़ी लिहस। तब सिमसोन ओनका काँधन पइ लिहस अउर उ पहाड़ी क चोटी पइ लइ गवा जउन हेब्रोन नगर क निचके बाटइ।

सिमसोन अउ दलीला

4एकरे बाद सिमसोन दलीला नाउँ क मेहरारू स पिरेम करइ लाग। उ सोरेक घाटी क रही।

5पलिस्ती लोगन क सासक दलीला क लगे गएन। उ पचे कहेन, “हम जानइ चाहित ह कि सिमसोन ओतना जियादा ताकतवर कइसे अहइ? ओका फुसलावा अउर आपन गुप्त बात बताइ देइ। तब हम लोग जान जाब कि ओका कइसे बाँधी। अउर ओह पइ कइसे नियंत्रण कइ सकित ह। यदि तू अइसा कर बिउ तउ हम में स हर एक तोहका एक हजार एक सौ सेकेल देइ।”

6एह बरे दलीला सिमसोन स कहेस, “मोका बतावा कि तू एतना जियादा ताकतवर काहे अहा? तू पचन में स कउनो कइसे बाँध सकत ह अउर तू पचन क कइसे असहाय कइ सकत ह?”

7सिमसोन जवाब दिहस, “कउनो मनई मोका सात नवी धनुस क ओन डोरियन स बाँध सकत ह जेका अब तलक उपयोग नाहीं कीन्ह ग अहइ अउर जउन कबहुँ झुरान न होइ। यदि कउनो अइसा करी तउ मईँ दूसर कउनो मनइयन क तरह दुर्बल होइजाब।”

8तब पलिस्ती क सासक लोग सात ठु नवी धनुस क डोरियन दलीला बरे लाएन। उ सबइ डोरियन अब तलक झुरान नाहीं रहिन। उ सिमसोन क ओहसे बाँधिस। 9कछू मनई दूसर कमरन में छुपा रहने। दलीला सिमसोन स कहेस, “सिमसोन पलिस्ती क लोग तोहका धरइ आवत अहइँ।” किन्तु सिमसोन धनुस डोरियन क आसानी स तोड़ दिहस। उ सबइ वइसे ही टूट गइन जइसे कउनो धागा आगी क काफी निकट आवइ क पाछे टूट जात ह। इ तरह पलिस्ती लोग सिमसोन क ताकत क राज पता नाहीं लगाइ सकेन।

10तब दलीला सिमसोन स कहेस, “तू मोका बेवकूफ बनाया ह। तू मोहसे लबार बोल्या ह। मेहरबानी कइके मोका फुर-फुर बतावा कि तोहका कउनो कइसे बाँध सकत ह।”

11सिमसोन कहेस, “कउनो मनई मोका ओन नवी लसुरियन स बाँध सकत ह जेका पहिले उपयोग नाहीं कीन्ह गवा ह। जादि कउनो अइसा करी तउ मईँ एतना कमजोर हो जाब, जेतना कउनो दूसर मनई होत ह।”

12एह बरे दलीला कछू नवी लसुरियन लिहस अउर सिमसोन क बाँध दिहस। कछू मनई अगले कमरे में छुपा रहेन। तब दलीला ओका आवाज़ दिहस, “सिमसोन, पलिस्ती लोग तोहका धरइ आवत अहइँ।” किन्तु उ लसुरियन क आसानी स तोड़ दिहस। उ ओनका धागा क तरह तोड़ डाएस।

13तब दलीला सिमसोन स कहेस, “तू मोका फुन बेवकूफ

बनाया ह! तू मोहसे झूठ बोल्या ह। अब तू मोका बतावा कि तोहका कउनो कइसे बाँध सकत ह।”

उ कहेस, “जादि तू उ करघा क उपयोग करा, अउर मोरे मूँड़े क बारन स सात चूटी बना लेइ अउर एका एक काँटा स कस देइ तउ मईँ एँतना कमजोर होइ जाब, जेतना कउनो दूसर मनई होत ह।”

तब सिमसोन सोबइ चला गवा। एह बरे दलीला करघा क उपयोग ओकरे मूँड़े क बारन क सात चूटी बनावइ बरे किहा। 14तब दलीला जमीन में खेमा क खूँटी गाड़िके, करघा क ओहसे बाँध दिहस। फुन उ सिमसोन क अवाज दिहस, “सिमसोन, पलिस्ती क लोग तोहका धरइ जात अहइँ।” सिमसोन नींद स उठिके तम्बू क खूँटी, करघा अउर दरकी क उखाड़ दिहस।

15तब दलीला सिमसोन स कहेस, “तू मोका कइसे कह सकत ह, ‘मईँ तोहसे पिरेम करत हउँ,’ जबकि तू मोह पइ बिस्सास तलक नाहीं करत्या। तू आपन राज बतावइ स इन्कार करत अहा। इ तिसरी दाईँ तू मोका बेवकूफ बनाया ह। तू आपन भीसण सक्ती क राज मोका नाहीं बताया ह।” 16उ सिमसोन क दिन पइ दिन हर समइ डाँट-डपट करत रहत रहेन। उ ओका एँतना परेसान किहेस कि उ ओहस तंग आइ गवा अउर मरि जावा चहेस। 17एह बरे उ दलीला क सब कछू बताइ दिहस। उ कहेस, “मईँ आपन बार कबहुँ नाहीं कटवाए अहउँ। मईँ जनम क पहिले बिसेस रूप स परमेस्सर क समर्पित रहेउँ। यदि कउनो मोरे बारन क कतर देइ तउ मोरे सक्ती चली जाइ। मईँ वइसा ही कमजोर होइ जाब, जेतना कउनो दूसर मनई होत ह।”

18दलीला लखेस कि सिमसोन आपन हिरदइ क सारी गुप्त बात कहि दिहेस ह। उ पलिस्ती क लोगन क सासकन क लगे दूत पठएस। उ कहेस, “फुन वापस लउटा। सिमसोन मोका सब कछू कहि दिहेस ह।” एह बरे पलिस्ती लोगन क सासक दलीला क लगे लउटेन। उ सबइ उ धन संग लिआएन जउन उ पचे ओका देइ क प्रतिग्या किहे रहेन।

19दलीला सिमसोन क उ समइ सोइ जाइ दिहस, जब उ ओकरी गोद में मूँड़ि धड़के ओलरा रहा। तब उ एक मनई क भीतर बोलाएस अउर सिमसोन क बारन क सात लटन क कतरवाइ दिहस। इ तरह उ ओका ताकतरहित बनाई दिहस। सिमसोन क सक्ती ओका तजि दिहस। 20तब दलीला ओका अवाज दिहस, “सिमसोन पलिस्ती क लोग तोहका धरइ आत अहइँ।” उ जाग पड़ा अउर सोचेस, “मईँ पहिले क तरह पराइ निकरब अउर आपन क अजाद राखब।” किन्तु सिमसोन क इ नाहीं मालूम रहा कि यहोवा ओका तजि दिहस ह।

21पलिस्ती क लोग सिमसोन क धड़ लिहिन। उ पचे ओकर अँखिन निकरवाइ लिहिन अउर ओका अज्जा नगर क लइ गएन। तब ओका पराइ स धरइ बरे ओकरे पैसन में उ पचे बेड़ियन डाइ दिहिन। उ पचे ओका जेल में धाँध दिहिन अउर ओहसे चक्की चलवाएन। 22किन्तु सिमसोन क बार फुन बढ़व सुरू किहिन।

23पलिस्ती लोगन क सासक उत्सव मनावइ बरे एक ठउरे पइ बटुरेन। उ पचे आपन देवता दागोन क एक ठु

बड़की बलि चढ़ावड़ जात रहेन। उ पचे कहेन, “हम लोगन क देवता हमार दुस्सन सिमसोन क हरावड़ में मदद किहेन ह।” 24जब पलिस्ती लोग सिमसोन क लखेन तब उ पचे अपने देवता क बड़कई किहेन। उ पचे कहेन,

“इ मनई हमरे लोगन क बर्बाद किहस। इ मनई हमरे अनेक लोगन क मारेस। किन्तु हमार देवता हमरे दुस्सन क धरवावड़ में हमार मदद किहस।”

25लोग उत्सव में खुसी मनावत रहेन। एह बरे उ पचे कहेन, “सिमसोन क बाहेर लिआवा। हम ओकर मजाक उड़ावड़ चाहित ह।” एह बरे उ पचे सिमसोन क जेल स बाहेर लइ आएन अउर ओकर मजाक उड़ाएन। उ पचे सिमसोन क दागोन देवता क मन्दिर क खम्भन क बीच में खड़ा किहेन। 26एक तु जवान नउकर सिमसोन क हाथ धरे भए रहा। सिमसोन ओनसे कहेस, “मोका हुवाँ राखा जहाँ मई ओन खम्भन क छुड़ सकउँ, जउन इ मन्दिर क ऊपर रोके भए राखेस अहइ। मई ओनकर सहारा लेइ चाहत हउँ।”

27मन्दिर में मेहररूअन-मनसेधुअन क बड़ा भीड़ रही। पलिस्ती लोगन क सबहिँ सासक भी हुआँ रहेन। हुवाँ लगभग 3,000 मेहरारू-मनसेधु मन्दिर क छत पड़ रहेन। उ सबइ हँसत रहेन अउर सिमसोन क मजाक उड़ावत रहेन। 28तब सिमसोन यहोवा स पराथना किहेस। उ कहेस, “सर्वसक्तिमान यहोवा, मोका याद रखा। परमेस्सर मोका कृपा कइके सिरिफ एक दाई अउर सक्ति द्या। मोका सिरिफ इ काम करइ द्या कि पलिस्तीयन स आपन आँखिन निकारइ क बदला चुकाइ सकउँ।” 29तब सिमसोन मन्दिर क केन्द्र क दुइनउँ खम्भन क धरेस। इ दुइनउँ खम्भा पूरे मन्दिर क टेकाए भए रहेन। उ दुइनउँ खम्भन क बीच में अपने क जमाएस। एक तु खम्भा ओकर दाहिन कइँती अउ दूसर ओकर बाई कइँती रहा। 30सिमसोन कहेस, “एन पलिस्तीयन स संग मोका मरइ द्या।” तब उ आपन पूरी सक्ती स खम्भन क ठेलेस अउर मन्दिर सासकन पड़ अउ दुसर लोगन जउन हुआँ जमा भवा रहेन पड़ भहराइ पड़ा। इ तरह सिमसोन आपन जिन्नगी भर क समइ में जेतने पलिस्ती लोगन क मारेस, ओहसे कहुँ जियादा लोगन क तब मारेस जब उ मरा।

31सिमसोन क भाइयन अउर ओकरे बाप क परिवार हुआँ गएन अउर ओकरे लहास क लेइ गएन। उ पचे ओका वापिस लिआएन अउर ओका ओकर बाप मानोह क कब्र में दफनाएस। इ कब्र सोरा अउर एस्ताओल नगरन क बीच अहइ। सिमसोन इस्त्राएल क लोगन क निआवाधीस बीस बरिस तलक रहा।

मीका क मूरतियन

17 मीका नाउँ क एक मनई रहा जउन एप्रैम क पहाड़ी पहेँटा में रहत रहा। 2मीका आपन महतारी स कहेस, “का तोहका चाँदी क गियारह सौ सिक्कन याद अहइ जउन तोहसे चोराइ लीन्ह ग रहेन। मई तोहका ओकरे

बारे में सराप देत सुनेउँ। उ चाँदी मोरे लगे अहइ। मई ओका लिहेउँ ह।”

ओकर महतारी कहेस, “मोर पूत, तोहका यहोवा आसीर्बाद देइ।”

3मीका आपन महतारी क गियारह सौ सिक्के वापस दिहस। तब उ कहेस, “मई इ सबइ सिक्कन यहोवा क एक खास भेंट क रूप में देब। मई इ चाँदी आपन पूत क देब अउर उ एक तु मूरति बनाई अउर ओका चाँदी स ढाँपि देइहीं। एह बरे पूत, अब इ चाँदी मई तोहका लउटावत हउँ।”

4मुला मीका उ चाँदी आपन महतारी क लउटाइ दिहस। एह बरे उ दुइ सौ सेकेल चाँदी लिहेस अउ एक तु सुनार क दइ दिहस। सुनार चाँदी क उपयोग चाँदी स ढाँपी एक तु मूरति बनावइ में किहस। मूरति मीका क घरे में धरी गइ। 5मीका क एक तु मन्दिर मूरतियन क पूजा करइ बरे रहा। उ एक एपोद अउर कछू घरेलू मूरतियन बनाएस अउर ओनका हुआँ रखेस तब मीका आपन पूतन में स एक क आपन याजक चुनेस। 6(उ समइ इस्त्राएल क लोगन क कउनो राजा नाही रहा। एह बरे हर एक मनई उ करत रहा जउन ओका नीक जँचत रहा।)

7एक तु लेवीवंसी नउजवान रहा। उ यहूदा भुइँया में बेतलेहेम नगर क निवासी रहा। उ यहूदा क परिवार समूह में रहत रहा। 8उ नउजवान यहूदा में बेतलेहेम क तजि दिहस। उ रहइ बरे दूसर ठउर हेरत रहा। जब उ जात्रा करत रहा, उ मीका क घरे एप्रैम क पहाड़ी पहेँटा में आवा 9मीका ओहसे पूछेस, “तू कहाँ स आवा अहा?”

नउजवान जवाब दिहस, “मई उ बेतलेहेम नगर क लेवी बंसी अहउँ जउन यहूदा में अहइ। मई रहइ खातिर एक तु ठउर हेरत हउँ।”

10तब मीका ओहसे कहेस, “मोरे संग रहा। मोर बाप अउर मोर याजक बना। मई हर साल तोहका दस तु चाँदी क सिक्कन देब। मई तोहका ओढ़ना अउ खइया क देब।”

11लेवी बंसी नउजवान मीका क संग रहइ क तइयार होइ गवा। नउजवान मीका क पूतन क जइसा होइ गवा। 12मीका नउजवान क आपन याजक नियुक्त किहा। इ तरह नउजवान याजक बन गवा अउर मीका क घरे में रहइ लाग। 13मीका कहेस, “अब मई जानत अहउँ कि यहोवा मोरे बरे नीक होइ। मई इ एह बरे जानत हउँ कि मई लेवी बंसी क परिवारे क एक तु मनई क याजन क रूप में रखेउँ ह।”

दान लैस नगर पड़ कब्जा करत ह

18 उ समइ इस्त्राएल में कउनो राजा नाही रहा। उ दिन दान क परिवार समूह, आपन रहइ बरे, भुइँया क खोज में रहा। इस्त्राएल क दूसर परिवार समूह पहिले ही आपन भुइँया पाइ लिहे रहेन। किन्तु दान क परिवार समूह अबहिँ तलक आपन भुइँया नाही लिया सका रहा।

2एह बरे दान क परिवार समूह पाँच तु फउजियन क कछू भुइँया हेरइ बरे पठएस। उ पचे रहइ बरे नीक ठउर हेरइ गएन। इ पचे पाँचहुँ सिपाही जोरा अउ एस्ताओल

नगरन क रहेन। उ पचे एह बरे चुना ग रहेन कि उ पचे दान क परिवार समूहन में स रहेन। उ पचन्क आदेस दीन्ह ग रहा, “जा अउर कउनो भुइँया क खोज करा।”

पाँचहुँ मनइयन एप्रैम क पहाड़ी छेत्र में आएन। उ पचे मीका क घरे आएन अउर हुँवई रात बिताएन। जब पाँचहुँ मनई मीका क घरे क निअरे आएन तउ उ पचे लेवी बंस क परिवार समूह क नउजवान क अवाज सुनेन। उ पचे ओकर अवाज पहिचानेन, एह बरे उ पचे मीका क घर पइ रूकेन। उ पचे लेवी बंसी नउजवान स पूछेन, “तोहका इ ठउरे पइ कउन लावा ह? तू हिआँ का करत अहा? तोहार हिआँ का काम अहइ?”

4उ ओनसे उहइ कहेस जउन मीका ओकर संग किहे रहा, “मीका मोका किराए पइ राखेस ह। मई ओकर याजक हउँ।”

5उ पचे ओहसे कहेन, “कृपा कइके परमेस्सर स हम लोगन बरे कछू माँगा हम लोग कछू जानइ चाहित ह। का हमरे रहइ बरे भुइँया क खोज सफल होइ?”

6याजक पाँचहुँ मनइयन स कहेस, “सान्ति स जा। यहोवा तोहार मारग-दरशन करी।”

7एह बरे पाँचहुँ मनई हुवाँ स चलेन। उ पचे लैस नगर क आएन। उ पचे लखेन कि उ नगर क लोग सुरच्छित रहत ही। ओन पइ सीदोन क हुकूमत रही। उ पचे सान्ति अउ सुरच्छा क संग रहत रहेन। लोगन क लगे हर एक चीज बहोत जियादा रही अउर ओन पइ प्रहार करइवाला आसपास कउनो दुस्मन नाहीं रहा अउर उ पचे सीदोन नगर क लोगन स बहोत जियादा दूर रहत रहेन। ओनकर कउनो दूसर स कउनो मतलब नाहीं रहेन।

8पाँचहुँ मनइयन सोरा अउ एस्ताकोल नगर क वापस लउटेन। ओनकर सम्बन्धियन पूछेन, “तू का पता लगाया ह?”

9पाँचहुँ मनइयन जवाब दिहेन, “हम पचे भुइँया लखा ह अउर उ बहोतइ नीक बाटइ। हमका ओन पइ हमला करइ चाही। प्रतीच्छा जिन करा। हम चली अउ उ भुइँया क लइ लेइ। 10जब तू पचे उ भुइँया में चलब्या तउ लखब्या कि हुवाँ पइ बहोत जियादा भुइँया अहइ। हुवाँ सब कछू बहोत जियादा अहइ। तू पचे इ भी पउब्या कि हुवाँ क लोगन क हमला क आसंका नाहीं अहइ। निहचइ ही परमेस्सर उ भुइँया हमका दिहस ह।”

11एह बरे दान क परिवार समूह क छः सौ मनइयन सोरा अउ एस्ताओल क नगरन क तजेन। उ पचे जुद्ध बरे तइयार रहेन। 12लैस नगर क जात्रा करत समइ उ पचे यहूदा भुइँया में किर्य्त्यारीम नगर में रूकेन। उ पचे हुवाँ डेरा डाएन। इहइ कारण अहइ कि किर्य्त्यारीम क पच्छिम क स्थान आजु तलक महनेदाम कहा जात ह। 13तब उ छः सौ मनइयन हुआँ स एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस क जात्रा किहेन। उ पचे मीका क घर आएन।

14तब ओन पाँचहुँ मनइयन जउन लैस क चारिहुँ कइँती क भुइँया क खोज किहे रहेन, आपन भाइयन स कहेन, “का तोहका मालूम अहइ कि एन घरन में स एक में एपोद, दूसर घरेलू देवता, एक खुदाईवाली मूर्ति एक ठु ढाली गइ

मूर्ति अहइ? अब तू पचे जानत अहा कि तोहका का करइ क अहइ, जा अउर ओनका लइ आवा।” 15एह बरे उ पचे मीका क घर रूकेन जहाँ लेवी बंसी नउजवान रहत रहा। उ पचे नउजवान स पूछेन कि उ कइसा रहा। 16दान क परिवार समूह क छः सौ लोग फाटक क दुआरे पइ खड़ा रहेन। ओनके लगे सबहिँ तरह क हथियार रहेन तथा उ सबइ जुद्ध क बरे तइयार रहेन। 17-18पाँचहुँ गुप्तचर घरे में गएन। उ पचे खुदाई वाली मूर्ति, एपोद, घरेलू मूर्तियन अउ ढाली भइ मूर्ति क लिहिन। जब उ पचे अइसा करत रहेन तब लेवी बंसी याजक अउर जुद्ध बरे तइयार छः सौ स्त्रधारी फउजी फाटक क दुआर पइ खड़े रहेन। लेवी बंसी याजक ओनसे पूछेस, “तू का करत अहा?”

19पाँचहुँ मनइयन कहेन, “चुप रहा, एक सब्द भी न बोला। हम लोगन क संग चला। हमार बाप अउर याजक बना। तोहका खुद चुनइ चाही कि तू केका जियादा नीक समुझत अहा? का इ तोहरे बरे जियादा नीक अहइ कि तू एक ठु मनई क याजक रहा? या ओहसे कहुँ जियादा इ अहइ कि तू इस्राएल क लोगन एक पूरा परिवार समूह क याजक बना?”

20एहसे लेवी बंसी खुस भवा। एह बरे उ एपोद, घरेलू मूर्तियन अउ खुदाईवाली मूर्ति क लिहिस। उ दान क परिवार समूह क ओन लोगन क संग गवा।

21तब दान परिवार समूह क छः सौ मनई लेवी बंसी क संग मुडेन अउर उ पचे मीका क घरे क तजेन। उ पचे आपन नान्ह गदेलन, जनावरन अउ आपन सबहिँ चीजन अपने समन्वा धरेस।

22दान क परिवार समूह क लोग उ ठउरे स बहोत दूर गएन जब मीका क निअरे रहइवाले लोग एकत्र भएन। तब उ पचे दान क लोगन क पाछा किहेन अउर ओनका जाइके धरेन। 23मीका क लोग दान क लोगन पइ बरस पड़ेत रहेन। दान क लोग मुडेन। उ पचे मीका स कहेन, “तोहार समस्या का अहइ? तू मनईयन क लड़ाइ करइ बरे काहे बोलाएस?”

24मीका जवाब दिहस, “दान क तू लोग, तू पचे मोर मूर्तियन लिहा ह। मई ओन मूर्तियन क अपने बरे बनाएउँ ह। तू पचे हमरे याजक क भी लइ लिहा ह। तू पचे तज्या का अहा? तू पचे मोका कइसे पूछ सकत ह, ‘समस्या का अहइ।’”

25दान क परिवार समूह क लोग जवाब दिहेन, “नीक होत, तू हम से बहस जिन करत्या, हम पचन में स कछू मनई गरम स्वभाव क बाटेन। जदि तू हम पइ चिचियात्या तउ उ पचे गरम स्वभाववाले लोग तोह पइ प्रहार कइ सकत ही। तू अउर तोहार परिवार मार डावा जाइ सकत ह।”

26तब दान क लोग मुडेन अउ आपन राहे पइ अगवा बढ गएन। मीका जानत रहा कि उ सबइ लोग ओकरे बरे बहोत जियादा सक्तीसाली अहइँ। एह बरे उ घर लउटि गवा।

27इ तरह दान क लोग उ सबइ मूर्तियन लिहेन जउन मीका बनाए रहा। उ पचे मीका क संग रहइवाले याजक क भी लिहेन। तब उ पचे लैस पहोंचेन। उ पचे लैस क लोगन

पइ हमला किहन जउन कि सान्ति क साथ रहे रहने काहेकि लैस क लोगन क हमला क आसंका नाहीं रही। दान क लोग ओन लोगन क आपन तरवारन क घाट उतारेन। तब उ पचे नगर क बार डाएन। 28 लैस में रहइवाले लोगन क रच्छा करवइया कउनो नाहीं रहा। उ पचे सीदोन क नगर स एतना जियादा दूर रहने कि ओन लोगन क स मदद नाहीं लइ सकत रहने। अउ कउनो दूसर स कउनो मतलब नाहीं रखत रहने। लैस नगर बेतहर होब प्रदेस क अधिकार में एक घाटी में रहा। दान लोग उ ठउरे पइ एक तु नवा नगर बनाएन अउर उ नगर ओनकर निवास ठउर बना। 29 दान क लोग लैस नगर क नवा नाउँ धरेन। उ पचे उ नगर क नाउँ आपन पुरखन क पाछे दान धरेन। दान इस्राएल क पूतन में स एक पूत रहा। पुराने समइ में इ नगर क नाउँ लैस रहा।

30 दान क परिवार समूह क लोग दान नगर में मूरतियन क स्थापना किहन। उ पचे गोसोम क पूत योनातान क आपन याजक बनाएन। गोसोम मनस्सी क पूत रहा। योनातान अउर ओकर पूत दान क परिवार समूह क तब तलक याजक रहेन जब तलक इस्राएल क लोगन क बन्दी बनाइके बाबेल नाहीं लइ जावा गवा। 31 दान क लोग ओन मूरतियन क पूजा किहन जेनका मीका बनाए रहा। उ पचे उ पूरे समइ तलक ओन मूरतियन क पूजत रहने जब तलक सीलो में परमेस्सर क घर रहा।

लेवी बंसी अउर ओकर रखैल

19 उ समइ इस्राएल क कउनो राजा नाहीं रहा। एक तु लेवी बंसी मनई एप्रैम क पहाड़ी प्रदेस क बहोत दूर क छेत्र में रहत रहा। उ मनई क एक तु जवान रखएल रहा। उ यहूदा प्रदेस क बेतलेहेम नगर क निवासी रही। 2 किन्तु उ ओकर संग झगड़ा किहा। एह बरे उ ओका तजि दिहस अउर यहूदा प्रदेस क बेतलेहेम नगर में आपन बाप क घर चली गइ। उ हुवाँ चार महीने रही। 3 तब ओकर भतार ओकरे लगे गवा। उ ओहसे पिरेम क संग बात करइ चाहत रहा, जेहसे उ ओकरे लगे लउट जाइ। उ अपने संग आपन नउकर अउर दुइ गदहन क लइ गवा रहा। लेवी बंसी मनई उ मेहरारू क बाप क घरे आवा। ओकर बाप लेवी बंसी मनई क लखेस अउर ओकर स्वागत करइ बरे खुसी स बाहेर आवा। 4 जुवती क बाप ओका ठहरइ बरे न्यौतेस। एह बरे लेवी बंसी तीन दिन ठहरा। उ खाएस, पीएस अउर उ अपने ससुरे क घर सोएस।

5 चउथे दिन बहोतइ भिसारे उ उठा। लेवी बंसी चल पइइ क तइयारी करत रहा। किन्तु जुवती क बाप अपने दामाद स कहेस, “पहिले कछू खा ल्या। जब तू खइया क खाइ ल्या तउ तू जाइ सकत ह।” 6 एह बरे लेवी बंसी मनई अउर ओकर ससुर एक संग खाइ अउर दाखरस पिअइ बइठेन। ओकरे पाछे जुवती क बाप उ लेवीबंसी स कहेस, “कृपा कइके आजु भी ठहरा। आराम करा अउर आनन्द मनावा।” इ तरह दुइनउँ मनइयन एक संग खाएन। 7 जब लेवी मनई जाइ क तइयार भवा तउ ओकर ससुर ओका हुवाँ राति भइ रूकइ क हठ किहस।

8 पाँचवाँ दिन लेवी बंसी मनई भिसारे उठेस। लेवी बंसी मनई चलइ बरे तइयार रहने। किन्तु मेहरारू क बाप आपन दामाद से कहेस, “पहिले कछू खाइ ल्या। आरम कइ ल्या अउर दोपहर तलक हियोँ रहा।” तब दुइनउँ मनईयन फुन एक संग खाएस।

9 तब लेवी बंसी मनई, ‘ओकर रखैल अउर ओकर नउकर चलइ बरे उठेन। किन्तु जुवती क बाप, ओकर ससुर कहेस, “लगभग अँधियारा होइ गवा अहइ। दिन लगभग बीत चुका अहइ। राति हिअँई बितावा अउर आनन्द मनावा। कल बहोत भिसारे तू उठि सकत ह अउर आपन घरे क रास्ता पकइ सकत ह।”

10 किन्तु लेवी बंसी मनई एक अउर रात हुवाँ ठहरइ नाहीं चाहत रहा। उ आपन दुइ गदहन अउर आपन रखैल क लिहस। उ यबूस नगर जउन यरूसलेम भी कहलावत ह, तलक गवा। 11 उ दिन लगभग खतम होइ गवा रहा। उ पचे यबूस नगर क लगे रहने। एह बरे नउकर आपन सुआमी लेवी बंसी स कहेस, “हम लोग इ नगर में रूक जाइ। इ यबूसी लोगन क नगर अहइ। हम लोग हिअँई राति बिताई।”

12 किन्तु ओकर सुआमी लेवी बंसी कहेस, “नाहीं हम लोग अपरिचित नगर में नाहीं जाब, जेकर लोग इस्राएल क लोगन में स नाहीं अहइँ। हम लोग गिबा नगर तलक जाब।” 13 उ इ भी कहेस, “आगे बढ़ा। हम लोग गिबा या रामा तलक पहुँचइ क कोसिस करइँ। हम ओन नगरन में स कउनो एक में रात बिताइ सकित ह।”

14 एह बरे लेवी बंसी अउ ओकरे संग क लोग अगवा बढेन। जब उ पचे गिबा नगर क लगे आएन तउ सूरज बूडन रहा। गिबा बिन्यामीन क परिवार समूह क प्रदेस में अहइ। 15 एह बरे उ पचे गिबा में रूकेन। उ पचे उ नगर में रात बितावइ क योजना बनाएन। उ पचे नगर में सार्वजनिक चउराहे में गएन अउर हुवाँ बइठ गएन। किन्तु कउनो ओन लोगन क रात बितावइ बरे अपने घर नाहीं न्यौतेन।

16 उ साँझ क एक बूढ़ा मनई अपने खेतन स नगर में आया। ओकर घर एप्रैम क पहाड़ी देस में रहा। किन्तु अब उ गिबा नगर में रहत रहा। गिबा क लोग बिन्यामीन क परिवार समूह क रहने। 17 बूढ़ा मनई लेवी बंसी मनई क नगर क चउराहे पइ लखेस। बूढ़ा मनई पूछेस, “तू कहाँ जात अहा? तू कहाँ स आवा अहा?”

18 लेवी बंसी मनई जवाब दिहस, “यहूदा प्रदेस क बेतलेहेम नगर स हम लोग जात्रा करत अहीं। हम आपन घर दूर क पहटौँ एप्रैम क पहाड़ी देस जात अहइ। मई यहूदा क बेतलेहेम क गवा रहेउँ। अब मई आपन घरे जात हउँ।”

19 “किन्तु कउनो भी हम लोगन क रात ठहरइ बरे न्यौता नाहीं दिहस। हम लोगन क लगे आपन गदहन बरे पुआल अउ भोजन अहइ। हम लोगन क लगे रोटी अउ दाखरस भी अहइ। हम लोगन में स कउनो भी न मई न इ मेहरारू अउर न ही मोर नउकर कछू भी नाहीं चाहत ह।”

20 बूढ़ा कहेस, “तोहार स्वागत अहइ। तू मोरे हिआँ ठहरा। तोहका जरूरत क सबहिँ चिजियन मई देबउँ। तू नगर क सार्वजनिक चउराहे में राति जिन बितावा।” 21 तब उ बूढ़ा

मनई लेवी बंसी मनई अउर ओकरे संग क लोगन क अपने संग अपने घरे लइ गवा। बूढ़ा मनई ओकरे गदहन क खवाएस। उ पचे आपन गोड़ धोएन। तब उ कछू भोजन खाइ अउर कछू दाखरस पिया।

22जब लेवी बंसी मनई अउर ओकरे संग क मनई आनन्द लेत रहेन, तबहिं उ नगर से कछू मनई आएन अउर घर क चारिहुँ कइँती स घेर लिहिन। उ पचे बहोतइ बुरे मनई रहेन। उ पचे जोर स दरवाजा क ऊपर पीटइ लागेन। उ पचे उ बुढ़वा मनई स, जेकर उ घर रहा, गोहराइके बोलें, “उ मनई क अपने घरे स बाहेर करा। हम ओकरे संग सम्भोग करइ चाहित ह।”

23बुढ़वा मनई बाहेर गवा अउर ओन दुट्ठ लोगन स कहेस, “भाइयो, नाही, अइसा बुरा काम जिन करा। उ मनई मोरे घरे में मेहमान अहइ। इ खौफनाक पाप जिन करा। 24सुना, हिआँ मोर बिटिया अहइ। उ एक कुवारी कन्या अहइ। मई ओका अउ इ मनसेधू क रखैल क तोहरे लगे बाहेर लिआवत हउँ। तू ओकर उपयोग जइसा चाहा कइ सकत ह। किन्तु इ मनई क खिलाफ अइसा खौफनाक पाप जिन करा।”

25मुला ओन दुट्ठ लोग उ बुढ़वा मनई क एक न सुनेन। एह बरे लेवी बंसी मनई आपन रखैल क ओन दुट्ठ मनइयन क संग बाहेर कइ दिहिन। ओन दुट्ठ मनइयन पूरी रात ओकरे संग कुकरम किहिन। अउर पूरी तरह गालियन दिहिन। तब भिंसारे ओका जाइ दिहिन। 26भिंसारे उ मेहरारू हुआँ लउटी जहाँ ओकरे सुआमी ठहरा रहा। उ समन्वा दरवाजे पइ भहराइ पड़ी। उ तब तलक पड़ी रही जब तलक पूरा दिन नाही निकरि आवा।

27भिंसारे लेवी बंसी मनई उठा अउर उ घरे क दरवाजा खोलेस। उ अपने राहे जाइ बरे बाहेर निकरा किन्तु हुवाँ ओकर रखैल पड़ी रही। उ घरे क राहे पइ पड़ी रही। ओकर हाथ दरवाजा क ड्यौड़ी पइ रहेन। 28तब लेवी बंसी मनई ओहसे कहेस, “उठा, हम लोग चली।” किन्तु उ जवाब नाही दिहस काहेकि उ मरि गवा रहा।

एह बरे उ ओका आपन गदहे पइ धरेस अउ घरे गवा। 29जब लेवीबंसी मनई अपने घरे आवा तब उ एक ठु छुरी निकारेस अउर आपन रखैल क बारह टूकन में काटेस। तब उ मेहरारू क ओन बारह हीसन में ओन सबहिं छेत्रन में पठएस जहाँ इस्त्राएल क लोग रहत रहेन। 30जउन इ लखेन ओन सबइ कहेन, “अइसा कबहुँ नाही भवा रहा जब स इस्त्राएल क लोग मित्र स आपन, बाद-विवाद करा अउर तय करा कि एकरे बारे में का करइ क चाही।”

इस्त्राएल अउ बिन्यामीन क बीच जुद्ध

20 इ तरह इस्त्राएल क सबहिं लोग मिस्या नगर में यहोवा क समन्वा खड़े होइ बरे एक संग आपन। उ पचे पूरे इस्त्राएल देस स आपन: दान से बेरसेबा तलक। गिलाद प्रदेस क सबहिं इस्त्राएली लोग भी हुवाँ रहेन। इस्त्राएल क परिवार समूहन क सबहिं प्रमुख लोग हुवाँ रहेन। उ पचे परमेस्सर क लोगन क सभा में आपन-आपन ठउर पइ बइठेन। उ ठउरे पइ तरवार क संग चार लाख

फउजी रहेन। 3बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग सुनेन कि इस्त्राएल क लोग मिस्या नगर में पहांचेन ह। इस्त्राएल क लोग कहेन, “इ बतावा कि इ भयंकर पाप कइसे भवा।”

4एह बरे मेहरारू जेकर हतिया भइ रही ओकर भतार कहेस, “मोर रखैल अउ मई बिन्यामीन क गिबा नगरन में पहांचेन। हम लोग हुवाँ राति बितावा। 5मुला राति में गिबा नगर क प्रमुख उ घरे पइ आएन जेहमाँ मई ठहरा रहेउँ। उ पचे घरे क घेर लिहिन अउ उ पचे मोका मारि डावइ चाहत रहेन। उ पचे मोरी रखैल क संग कुकरम किहिन अउर उ मर गइ। 6एह बरे मई आपन रखैल क लइ गएँ अउर ओकर टूका कइ डाएँ। तब मई हर एक टूका इस्त्राएल क हर एक परिवार समूह क पठएँ। मई बारह टूकन ओन भुइँया क पठएँ जेनका हम पाए। मई इ एह बरे किहेँ कि बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग इस्त्राएल क देस में इ क्रूर अउ खउफनाक करम किहिन ह। 7अब, इस्त्राएल क सबहिं लोगो, आप बोलइँ। आप आपन निर्णय देइँ कि हमका का करइ चाही?”

8तब सबहिं लोग उहइ समइ उठि। उ पचे एकत्र होइके कहेन, “हम लोगन में स कउनो घरे नाही लउटी। हम लोगन में स एक भी घरे नाही लउटी। 9गिबा बरे हम लोग इ करब: हम गोटी डाउब। 10अउर हम लोग इस्त्राएल क लोगन क सबहिं परिवार समूहन स एक सौ में स दस मनई चुनब अउर हम लोग हर एक हजार में स सौ मनई चुनब। हम लोग हर एक दस हजार में स एक हजार चुनब। जउने लोगन क हम लोग चुन लेब उ पचे फउजे खातिर जरूरी सामग्री पइही। तब फउज बिन्यामीन में गिबा नगर क जाइ। उ फउज ओन लोगन स बदला चुकाई जउन इस्त्राएल में इ भयंकर काम किहेन ह।”

11एह बरे इस्त्राएल क सबहिं लोग गिबा नगर में बटुर गएन। उ पचे ओकर एकमत रहेन, जउन उ पचे करत रहेन। 12इस्त्राएल क परिवार समूह एक सँदिस क संग लोगन क बिन्यामीन क परिवार समूह क लगे पठएस। सँदिसा इ रहा, “इ पापे क बारे में का कहेब अहइ जउन तोहार कछू लोग किहो ह? 13ओन गिबा क दुस्ट मनइयन क हमरे लगे पठवा। ओन लोगन क हमका दया जेहसे हम ओनका जान स मारि सकी। हम लोगन क इस्त्राएल क लोगन क बीच स बुराइ क दूर करइ चाही।”

किन्तु बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग आपन सम्बंधी इस्त्राएल क लोगन क दूतन क बात सुनइ स इन्कार करइ दिहेन। 14बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग आपन नगरन क तजेन अउर उ पचे गिबा नगर में पहांचेन। उ पचे गिबा में इस्त्राएल क दूसर परिवार समूह क खिलाफ लइइ गएन। 15बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग छब्बीस हजार फउजियन क बटोरेन उ पचे सबहिं फउजी जुद्ध बरे प्रसिच्छित रहेन। ओनके संग गिबा नगर क सात सौ प्रसिच्छित फउजी भी रहेन।

16ओनकर सात सौ अइसे प्रसिच्छित मनई भी रहेन जउन जुद्ध में बाँया हाथ चलावइ क सिच्छा पाए रहेन। ओनमाँ स हर एक गुल्ले क उपयोग दच्छता स कइ सकत रहा। उ

पचे सबइ एक तु बारे पइ भी पाथर मार सकत रहेन अउर निसाना नाहीं चूकत रहा।

17इस्त्राएल क सारे परिवार समूह बिन्यामीन क अतिरिक्त चार लाख जोधन क एकत्र किहना। ओन चार लाख जोधन क लगे तरवारन रहिन। ओनमाँ स हर एक प्रसिच्छित फउजी रहा। 18इस्त्राएल क लोग बेतेल नगर तलक गएन। बेतेल में उ पचे परमेस्सर स पूछेन, “कउन सा परिवार समूह बिन्यामीन क परिवार समूह पइ पहिला हमला करी?”

यहोवा जवाब दिहस, “यहूदा क परिवार समूह पहिले जाइ।”

19अगले भिंसारे इस्त्राएल क लोग उठेन। उ पचे गिबा क निअरे डेरा डाएन। 20तब इस्त्राएल क फउज बिन्यामीन क फउज स जुद्ध बरे निकरि पड़ी। इस्त्राएल क फउज गिबा नगर में बिन्यामीन क खिलाफ जुद्ध बरे आपन मोर्चा लगाएस। 21तब बिन्यामीन क फउज गिबा नगर क बाहेर निकरी। उ पचे उ दिन क लड़ाई में इस्त्राएल क फउजे क बाईस हजार लोगन क मार डाएन।

22-23इस्त्राएल क लोग यहोवा क समन्वा गएन। उ पचे साँझ तलक रोवत चिल्लात रहेन। उ पचे यहोवा स पूछेन, “का हमका फुन बिन्यामीन क खिलाफ लड़इ जाइ चाही? उ सबइ लोग हमार सम्बन्धी अहईँ।”

यहोवा जवाब दिहस, “जा अउर ओनके खिलाफ लड़ा। इस्त्राएल क लोग एक दूसर क हिम्मत बढ़ाएन।” एह बरे उ पचे पहिले दिन क तरह फुन लड़इ गएन।

24तब इस्त्राएल क फउज बिन्यामीन क फउज क लगे आइ। इ जुद्ध क दूसर दिन रहा। 25बिन्यामीन क फउज दूसर दिन इस्त्राएल क फउज पइ हमला करइ बरे गिबा नगर स बाहेर आइ। इ समइ बिन्यामीन क फउज इस्त्राएल क फउजे क दूसर अट्ठारह हजार फउजियन क मार डाएन। इस्त्राएल क फउज क उ सबइ सबहिँ प्रसिच्छित फउजी रहेन।

26तब सबइ इस्त्राएली लोग अउर सबहिँ बेतेल नगर तलक गएन। उ ठउरे पइ उ पचे बइठेन अउर यहोवा क रोइके गोहराएन। उ पचे पूरा दिन साँझ तलक कछू नाही खाएन। उ पचे होमबलि अउर मेलबलि भी यहोवा बरे चढ़ाएस। 27इस्त्राएल क लोग यहोवा स एक तु सवाल पूछेन। (एन दिन परमेस्सर क साच्छीपत्र क सन्दूक बेतेल में रहा। 28पीनहास जउन एलीआज़ार क पूत रहा अउर एलीआज़ार हारून क पूत रहा नाउँ क एक तु याजक करार क सन्दूक क समन्वा सेवा करत रहा। इस्त्राएल क लोग पूछेन, “का हमका बिन्यामीन क लोगन क खिलाफ फुन लड़इ जाइ चाही। उ सबइ लोग हमार सम्बन्धी अहईँ या हम लोग जुद्ध करब बंद कइ देइ?”

यहोवा जवाब दिहस, “जा। काल्ह भियान मईँ ओनका हरावइ में तोहार मदद करब।”

29तब इस्त्राएल क फउज गिबा नगर क चारिहुँ कइँती आपन मनइयन क छुपाइ दिहस। 30इस्त्राएल क फउज तीसरे दिन गिबा नगर क खिलाफ लड़इ गइ। उ पचे जुद्ध बरे आपन मोर्चा संभालेन जइसा उ पचे पहिले किहे रहेन। 31बिन्यामीन क फउज इस्त्राएल क फउज स जुद्ध करइ बरे

गिबा नगर क बाहेर निकर आइ। इस्त्राएल क फउज पाछे हटी अउर उ बिन्यामीन क फउज क नगर क बहोतइ पाछे छोड़ देइ बरे धोखा दीन्ह गवा।

बिन्यामीन क फउज इस्त्राएल क फउज क कछू लोगन क वइसे ही मारब सुरू किहेन जइसे उ पचे पहिले मारे रहेन। इस्त्राएल क लगभग तीस मनई मारे गएन। ओनमाँ स कछू लोग मैदानन में मारे गए रहेन। ओनमाँ स कछू मनई सड़कियन पइ मारे गए रहेन। एक तु सड़क बेतेल क जात रही। दूसर सड़क गिबा क जात रही। 32बिन्यामीन क लोग कहेन, “हम पहिले क तरह जीतत अही।”

मुला इस्त्राएल क लोग पाछे भागत परात रहेन काहेकि उ पचे बिन्यामीन क लोगन क ओनके नगर स दूर सड़कियन पइ लियावइ चाहत रहेन। 33इस्त्राएल क फउजे क सबहिँ लोग आपन ठउरन स हटेन। उ पचे बालतामार पइ रूकेन अउर जुद्ध बरे मोर्चा लगाएन। तब जउन लोग गिबा क पच्छिम में लुकान रहेन आपन छुपइ क ठउरन स दौड़ पड़ेन अउर गिबा पइ आक्रमण किहेन। 34इस्त्राएल क फउज क पूरे प्रसिच्छित दस हजार फउजियन गिबा नगर पइ हमला किहना। जुद्ध बड़ी भीसण रही। किन्तु बिन्यामीन क फउज आपन भंयकर विनास स अवगत नाहीं रहेन।

35यहोवा इस्त्राएल क फउज क उपयोग किहस अउर बिन्यामीन क फउज क हराइ दिहस। उ दिन इस्त्राएल क फउज बिन्यामीन क पच्चीस हजार एक सौ फउजियन क मार डाएस। उ सबइ सबहिँ फउजी जुद्ध बरे प्रसिच्छित रहेन। 36इ तरह बिन्यामीन क लोग लखेन कि उ पचे हार गएन।

इस्त्राएल क फउज पाछे हटी। उ पचे पाछे हटेन काहेकि उ पचे अचानक हमला पइ निर्भर करत रहेन जेकरे बरे ओनकर मनइयन गिबा क निचके छुपा भवा रहेन। 37जउन मनई गिबा क चारिहुँ ओर लुकान रहेन उ सबइ गिबा नगर में टूट पड़ेन। उ पचे फइल गएन अउर उ पचे आपन तरवारन स नगर क हर एक क मार डाएन। 38इस्त्राएली फउज क दल अउ लुकाइके घात लगावइ वाले दल क बीच इ संकेत चीन्हा निहचित कीन्ह गवा रहा कि लुकाइके घात लगावइ वाला दल नगर में धुएँ क बिसाल बादर उड़ाइ।

39जुद्ध क उहइ समइ पइ बिन्यामीन क फउज लगभग तीस इस्त्राएल फउज क मार दिहस। उ पचे कहत रहेन, “हम वइसे जीतत अही जइसे पहिले जुद्ध में जीतत रहे।” 40किन्तु तबहिँ धुएँ क बिसाल बादर नगर स उठब सुरू भवा। बिन्यामीन क फउजी मुडेन अउर धुएँ क लखेन। पूरा नगर आगी क लपटन में रहा। 41तब इस्त्राएल क फउज मुड़ी अउर लड़इ लाग। बिन्यामीन क लोग डर गए रहेन। अब उ पचे समुझ गएन कि ओन पइ तबाही आ गए रहेन।

42एह बरे बिन्यामीन क फउज इस्त्राएल क फउज क समन्वा स भाग पराइ खड़ी भइ। उ पचे रेगिस्तान कइँती भागेन। लेकिन उ पचे जुद्ध स बच न सकेन। इस्त्राएल क लोग नगरन स बाहेर आएन अउर ओनका मार डाएन। 43इस्त्राएल क लोग बिन्यामीन क लोगन क घेर लिहेन। उ पचे ओनका पाछा किहना। उ पचे ओनका अराम नाही करइ

दिहेन। उ पचे ओनका गिबा क पूरब क भुईया में हराएन। 44इ तरह अट्टारह हजार वीर अउर ताकतवर बिन्यामीन क फउज क फउजी मारे गएन।

45बिन्यामीन क फउज मुडी अउर रेगिस्तान कइँती भागी परानी। उ पचे रिम्मोन क चट्टान नाउँ क ठउरे पइ पराइके गएन। किन्तु इस्राएल क फउज सड़कन पइ बिन्यामीन क फउज क पाँच हजार सिपाहियन क मार डाएन। उ पचे बिन्यामीन क लोगन क पाछा करत रहेन। उ पचे ओनकर पाछा गिदोन नाउँ क ठउरे तलक किहन। इस्राएल क फउज उ ठउरे पइ बिन्यामीन क फउज वहाँ दुइ हजार अउर सिपाहियन क मार डाएस।

46उ दिना बिन्यामीन क फउज क पच्चीस हजार फउजी मारे गएन। ओन सबहिं मनइयन अपन तरवार क संग बहादुरी स जुद्ध किहन। 47मुला बिन्यामीन क छः सौ मनई मुडेन अउर रेगिस्तान में पराइ गएन। उ पचे रिम्मोन क चट्टान नाउँ क ठउरे पइ गएन। उ पचे हुवाँ चार महीने तलक ठहरे रहेन। 48इस्राएल क लोग बिन्यामीन क भुईया में लउटिके गएन। जउने नगरन में उ पचे पहोंचेन, ओन नगरन क मनइयन क उ पचे मार डाएन। उ पचे सबहिं जनावरन क भी मार डाएन। उ पचे जउन कछू पाइ सकत रहेन, ओका नस्ट कइ दिहन। उ पचे जउने नगर में गएन, ओका बार डाएन।

बिन्यामीन क लोगन बरे मेहररूअन पाउब

21 मिस्या में इस्राएल क लोग प्रतिग्या किहन। ओनकर प्रतिग्या इ रही, “हम लोगन में स कउनो आपन बिटिया क बिन्यामीन क परिवार समूह क कउनो मनई स बियाह नाही करइ देइ।”

2इस्राएल क लोग बेतेल नगर क गएन। इ नगर में उ सबइ परमेस्सर क समन्वा साँझ तलक बइठे रहेन। उ पचे जोर स अउर फुट-फुट कइ रोवत रहेन। 3उ पचे परमेस्सर स कहेन, “यहोवा, तू इस्राएल क लोगन क प्रमेस्सर अहा। अइसी भयंकर बात हम लोगन क संग कइसे होइ गइ अहइ? इस्राएल क परिवार समूहन में स एक परिवार समूह काहे कम होइ जाइ।”

4अगले दिन भिंसारे इस्राएल क लोग एक ठु वेदी बनाएन। उ पचे उ वेदी पइ परमेस्सर क होमबलि अउ मेलबलि चढ़ाएन। 5तब इस्राएल क लोग कहेन, “का इस्राएल क कउनो अइसा परिवार समूह अहइ जउन यहोवा क समन्वा हम लोगन क संग मिलइ नाही आवा ह?” उ पचे इ सवाल एह बरे पूछेन काहेकि उ पचे एक गंभीर प्रतिग्या किहे रहेन। उ पचे प्रतिग्या किहे रहेन कि जउन कउनो मिस्या में दूसर परिवार समूह क संग मिलइ बरे नाही आइ, मार डावा जाइ।

6इस्राएल क लोग आपन रिस्तेदारन, बिन्यामीन क परिवार समूह क लोगन बरे, बहोत दुःखी रहेन। उ पचे कहेन, “आजु इस्राएल क लोगन स एक ठु परिवार समूह कट गवा ह। 7हम लोग यहोवा क समन्वा प्रतिग्या किहे रहे कि हम आपन बिटियन क बिन्यामीन परिवार क कउनो मनई स

बियाह नाही करइ देब। हम लोगन क कइसे बिस्सास होइ कि बिन्यामीन क परिवार समूह क लोगन क बियाही बरे मेहररूअन मिलिहीं?”

8तब इस्राएल क लोग पूछेन, “इस्राएल क परिवार समूहन में स कउन मिस्या में हिआँ नाही आवा ह? हम लोग यहोवा क समन्वा एक संग आए अही। किन्तु एक परिवार समूह हिआँ नाही अहइ?” तब ओनका पता लाग कि इस्राएल क दूसर लोगन क संग यावेस गिलाद नगर क कउनो मनई हुवाँ नाही रहा। 9इस्राएल क लोग इ जानइ बरे कि हुवाँ कउन रहा अउर कउन नाही रहा, हर एक क गनेस। उ पचे पाएन कि यावेस गिलाद क कउनो भी हुवाँ नाही रहा। 10एह बरे इस्राएल क लोग बारह हजार फउजियन क यावेस नगर क पठएस। उ पचे ओन फउजियन स कहेन, “जा अउर यावेस गिलाद लोगन क मेहररूअन अउ गदेलन समेत आपन तरवार स मउत क घाट उतार द्या। 11तू पचन्क इ जरूर करइ क होइ। यावेस गिलाद में हर एक मनसेधू क मार डावा। उ मेहरारू क भी मार डावा जउन एक ठु मनसेधू क संग रहि चुकी होइ। किन्तु उ मेहरारू क जिन मारा जउन कउनो मनसेधू क संग कबहुँ सारीरिक सम्बन्ध न किहे होइ।” फउजियन इहइ किहन। 12ओन बारह हजार फउजियन यावेस गिलाद में चार सौ अइसी कुवाँरी कन्या क पाएन, जउन कउनो मनई क संग कबहुँ सारीरिक सम्बन्ध नाही किहे रहिन। फउजी ओन मेहररूअन क सीलो नगर क डेरा पइ लइ गएन। सीलो कनान भुईया में अहइ।

13तब इस्राएल क लोग बिन्यामीन क लोगन क लगे एक ठु सँदिस पठएन। उ पचे बिन्यामीन क लोगन क संग सात्ति-सन्धि करइ क प्रस्ताव रखेन। बिन्यामीन क लोग रिम्मोन क चट्टान नाउँ क ठउरे पइ रहेन। 14एह बरे बिन्यामीन क लोग उ समइ इस्राएल क लोगन क पूरे परिवार क लगे लउटेन। इस्राएल क लोग ओनका ओन यावेस गिलाद क मेहररूअन क दिहन, जेनका उ पचे मारे नाही रहेन। किन्तु बिन्यामीन क सबहिं लोगन क बरे डेर मेहररूअन नाही रहिन।

15इस्राएल क लोग बिन्यामीन क लोगन क बरे दुःखी भएन। उ पचे ओनके बरे एह बरे दुःख महसूस किहन काहेकि यहोवा इस्राएल क परिवार समूहन क अलग कइ दिहे रहा। 16इस्राएल क लोगन क अग्रज लोग कहेन, “बिन्यामीन परिवार समूह क मेहररूअन मार डाली गइ अहइ। हम लोग बिन्यामीन क जउन लोग जिअत अहइ ओनके बियाह बरे मेहररूअन कहाँ पइहीं। 17बिन्यामीन क जउन लोग अबहिं जिअत अहइ, अपने परिवार क अगवा बढ़ावइ बरे ओनका गदेलन चाही। इ एह बरे करइ क होइ कि इस्राएल क एक परिवार समूह नस्ट न होइ। 18मुला हम लोग आपन बिटियन क बिन्यामीन लोगन क संग बियाह करइ क मंजूरी नाही दइ सकित। हम इ प्रतिग्या कइ चुका अही: ‘कउनो मनई जउन बिन्यामीन क मनई क पत्नी देइ, अभिसप्त होइ।’ 19हम लोगन क समन्वा एक ठु उपाय अहइ। इ सीलो नगर में यहोवा बरे उत्सव क समइ अहइ। इ उत्सव हिआँ हर बरिस मनावा जात ह। (सीलो नगर

बेतेल नगर क उत्तर में अहइ अउर उ सड़किया क पूरब में अहइ जउन बेतेल स सकेन क जात ह। अउर इ लबोना नगर क दक्खिन में भी अहइ।)

20एह बरे अग्रज लोग बिन्यामीन लोगन क सुझाव दिहेन। उ पचे कहेन, “जा, अउर अंगूर क बेलन क खेतन में लुकाइ जा। 21उत्सव में उ समइ क प्रतीच्छा करा जब सीलो क जुवतियन नाच में हीसा लेइ आवइँ। तब अंगूरे क खेतन में आपन लुकाइ क ठउरे स बाहेर निकर दउडा। तू पचन में स हर एक सीलो नगर क मेहररूअन क बिन्यामीन क भुइँया में लइ जा अउर ओकरे संग बियाह करा। 22ओन जुवतियन क बाप अउ भाई हम लोगन क निअरे अइही अउर सिकाइत करिही। किन्तु हम लोग ओनका इ तरह जवाब देब: ‘बिन्यामीन क लोगन पइ कृपा करा। ओन लोगन क ओन मेहररूअन क संग बियाह करइ द्या। उ पचे अपने बरे मेहररूअन एह बरे नहीं पावत अहइँ कि उ सबइ लोग तू पचन स लइइँ अउर उ पचे इ तरह स

मेहररूअन क लइ गवा अहइँ, एह बरे तू पचे आपन परमेस्सर क समन्वा कीन्ह गइ प्रतिग्या नाही तोइया। तू पचे प्रतिग्या किहे रह्या कि तू पचे ओनका मेहररूअन नाही देब्या, सचमुच, तू पचे बिन्यामीन क लोगन क मेहररूअन नाही दिहा परन्तु उ पचे तू पचन स मेहररूअन लइ लिहन। एह बरे तू पचे प्रतिग्या भंग नाही किहा।”

23एह बरे बिन्यामीन क परिवार समूह क लोग उहइ किहन। जब जुवतियन नाचत रहिन, तउ हर एक मनई ओनमों स एक-एक क धइ लिहस। उ पचे ओन मेहररूअन क लइ गएन अउर ओनके संग बियाह किहन। तउ उ पचे आपन भुइँया में लउटेन। बिन्यामीन क लोग भुइँया में फुन नगर बसाएन अउर रहइ लागेन।

24तब इस्राएल क लोग अपने घर लउटेन। उ पचे आपन आपने भुइँया अउर परिवार समूह में लउट गएन। 25ओन दिनन इस्राएल क लोगन क कउनो राजा नाही रहा। हर एक मनई उहइ करत रहा, जेका उ ठीक समुझत रहा।